RNI No. GUJHIN/2011/39228

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

अहमदाबाद से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 15
अंक : 148
दि. 27.09.2025,
शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : MANOJKUMAR CHAMPAKLAL SHAH Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

पीएम मोदी बोले- 'मैं और नीतीश आपके भाई हैं'

(जीएनएस)।

बिहार चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक मंच पर ऑनलाइन नजर आए। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' की शुरूआत की और 75 लाख से ज्यादा महिलाओं के खाते में सीधे 10-10 हजार रुपये की राशि ट्रांसफर की।

कार्यक्रम के दौरान दोनों नेताओं ने न सिर्फ महिलाओं के सशक्तिकरण पर जोर दिया, बल्कि पुराने दौर की तुलना करते हुए बिहार की बदली तस्वीर का भी जिक्र किया। लालू यादव और राजद पर भी सीधा हमला बोला गया। आइए जानते हैं, पीएम मोदी और नीतीश कुमार के भाषण की 5 बड़ी बातें।

1. महिलाओं के खाते में सीधा पैसा, कोई कटौती नहीं

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, "आज से 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार' योजना शुरू की जा रही है। इस योजना से अब तक 75 लाख बहनें जुड़ चुकी हैं। अभी एक साथ इन सभी 75 लाख बहनों के बैंक अकाउंट में 10-10

हजार रुपये भेजे गए हैं। जब यह प्रक्रिया चल रही थी, तब मैं सोच रहा था कि आज नीतीश जी की सरकार ने बिहार की बहनों-बेटियों के लिए कितना बड़ा और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। जब कोई बहन या बेटी रोजगार या स्वरोजगार करती है, तो उसके सपनों को नए पंख लग जाते हैं, और समाज में उसका सम्मान और भी बढ़ जाता है।"

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में जनधन योजना का जिक्र करते हुए कहा कि अगर 30 करोड़ से ज्यादा माताओं-बहनों के बैंक खाते न खुले होते, तो आज यह योजना संभव नहीं होती। उन्होंने साफ कहा- "आज जो 10-10 हजार रुपये भेजे गए हैं, वो सीधे आपके खाते में जमा होंगे। पहले योजना का पैसा लूट लिया जाता था, अब कोई एक रुपया भी मार नहीं सकता।"

पीएम ने यह भी जोड़ा कि पहले एक प्रधानमंत्री कहते थे, दिल्ली से 1 रुपया भेजते हैं तो जनता तक सिर्फ 15 पैसा पहुंचता है, लेकिन अब तकनीक और पारदर्शिता से पूरा पैसा सीधे लोगों तक जा रहा है।

अपने भाषण में पीएम मोदी ने महिलाओं से सीधा रिश्ता जोड़ते हुए कहा-"एक भाई तब ही खुश होता है, जब उसकी बहन स्वस्थ और खुशहाल हो। आज आपके दो भाई, नरेंद्र और नीतीश, मिलकर बहनों के लिए लगातार काम कर रहे हैं।"

उन्होंने जीविका दीदियों की तारीफ करते हुए कहा कि उनके काम से गांव और समाज दोनों बदल रहे हैं। पीएम ने भरोसा जताया कि बिहार की महिलाएं देश में सबसे ज्यादा 'लखपति दीदी' बनेंगी।

पीएम मोदी ने अपने भाषण में सीधे राजद और लालू यादव के शासनकाल पर निशाना साधा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का बिहार के नेताओं के साथ मैराथन बैठक, उम्मीदवारों की लिस्ट अमित शाह को सौंपी गई

(जीएनएस)।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह दो दिवसीय बिहार दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने बीजेपी नेताओं के साथ लंबी बैठक कर चुनावी तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में बिहार चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान, प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल और अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

पटना स्थित पार्टी मुख्यालय में उम्मीदवारों की स्क्रीनिंग और चयन प्रक्रिया पर चर्चा की गई। इससे पहले, अमित शाह ने बेतिया में चंपारण और सारण के नेताओं के साथ रणनीतिक बैठकें कीं, जिसमें सांसद, विधायक, जिला अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारी शामिल हुए। इन बैठकों में आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति और संगठनात्मक तैयारियों पर विशेष जोर दिया गया।

बीजेपी के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, अमित शाह की बैठक में

चुनावी रणनीति के हर पहलू पर विस्तार से चर्चा की गई। उम्मीदवारों के चयन, प्रचार अभियान, डिजिटल मीडिया के इस्तेमाल और पार्टी कार्यकर्ताओं की तैयारियों पर विशेष जोर दिया गया। अमित शाह ने नेताओं को निर्देश दिए कि वे प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के आधार पर मजबूत रणनीति तैयार करें, ताकि पार्टी के सभी कार्यकर्ता सक्रिय रूप से चुनावी मोर्चे पर काम कर सकें। बैठक में यह भी तय किया गया कि संगठन और प्रचार दोनों में समन्वय बनाए रखना प्राथमिकता होगी, ताकि चुनाव में प्रभावी परिणाम हासिल किए जा सकें।

बैठक के बाद प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने मीडिया को बताया कि अमित शाह ने बैठक के माध्यम से बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारियों की गहन समीक्षा की। उन्होंने कहा कि भाजपा के उम्मीदवारों की स्क्रीनिंग दो दिन पहले प्रदेश स्तर पर पूरी की गई थी और इसकी रिपोर्ट अमित शाह को सौंपी गई है।

27 सितंबर को समस्तीपुर और अररिया के दौरे पर जाएंगे अमित शाह

इसके अलावा, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह शनिवार (27 सितंबर) को समस्तीपुर में मिथिला क्षेत्र के नेताओं और अररिया में सीमांचल के नेताओं के साथ बैठक करेंगे। इन बैठकों का उद्देश्य बिहार में बीजेपी की संगठनात्मक ताकत को और मजबूत करना और विधानसभा चुनाव के लिए रणनीतिक तैयारी को फोकस में रखना है। पार्टी नेतृत्व उम्मीदवारों के चयन, प्रचार योजनाओं और कार्यकर्ता गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा करेगा। इस दौरे को चुनावी मोर्चे पर तैयारी को तेज करने और राज्य में पार्टी की पकड़ मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

धान का कटोरा छत्तीसगढ़ में किसानों को जीएसटी सुधार का लाभ, ट्रैक्टर खरीदी पर मिली बड़ी राहत -सीएम विष्णु देव साय

जीएसटी बचत उत्सव के दौरान, मुख्यमंत्री विष्णु देव साई ने छत्तीसगढ़ में किसानों के साथ बातचीत की, ट्रैक्टरों और हार्वेस्टर पर महत्वपूर्ण बचत पर प्रकाश डाला। इस पहल का उद्देश्य कृषि उत्पादकता और उपभोक्ता राहत को बढ़ाना है।

(जीएनएस)।

रायपुर, 26 सितंबर 2025/मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज जीएसटी बचत उत्सव के बीच औचक निरीक्षण पर देवपुरी स्थित ट्रैक्टर शोरूम पहुंचे। श्री साय ने यहां किसानों से आत्मीय संवाद कर जीएसटी कटौती पर उनकी प्रतिक्रिया और खरीदी में हुई बचत की जानकारी ली। मुख्यमंत्री श्री साय ने शोरूम में ट्रैक्टर और हार्वेस्टर खरीदने आए किसानों को चाबी सौंपकर शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अभनपुर के बिरोदा निवासी श्री रवि कुमार साहू को उनके नए हार्वेस्टर की चाबी सौंपी। इस अवसर पर खुशी व्यक्त करते हुए श्री रवि साहू ने

कहा, "मैने सपने में भी नहीं सोच था कि मैं नया हार्वेस्टर खरीदूंगा। मैं सेकेंड हैंड हार्वेस्टर खरीदने के बारे में सोच रहा था। जीएसटी उत्सव में नए हार्वेस्टर खरीद पर मुझे पूरे 2 लाख रुपए की बचत हुई है। किसानों की चिंता का समाधान हमारे संवेदनशील प्रधानमंत्री मोदी जी और किसानहितैषी मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी ही कर सकते हैं। मुख्यमंत्री जी ने स्वयं मुझे मेरे नए हार्वेस्टर की चाबी सौंपी और मुझसे बेहद आत्मीयता से संवाद किया। मैंने उन्हें बताया कि मेरे पास दो एकड़ खेत है और अब हार्वेस्टर आने से मैं गांव में साझेदारी से और अधिक खेती कर पाऊंगा।" श्री रवि ने जीएसटी में कटौती के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अभनपुर कोलर से आए वरिष्ठ किसान श्री ज्ञानिक राम साहू को उनके नए ट्रैक्टर की चाबी सौंपी। मुख्यमंत्री से संवाद करते हुए श्री साहू ने बताया कि जीएसटी में कटौती के बाद नए ट्रैक्टर की खरीदी पर उन्हें पूरे 60 हजार रुपए की बचत हुई है। उन्होंने कहा कि इस बचत से उनका परिवार त्योहार को और अच्छे से मना सकेगा।

ट्रैक्टर शो रूम के प्रोप्राइटर श्री अशोक अग्रवाल ने मुख्यमंत्री से संवाद में बताया कि जीएसटी में कटौती के कारण बिक्री में इजाफा हो रहा है और ग्राहकों का उत्साह बढ़ा है। उन्होंने कहा, "पहले जो ट्रैक्टर 10.25 लाख रुपए का आता था, वह अब 9.75 लाख रुपए में उपलब्ध है।

बिहार चुनाव : 'ये बर्दाश्त के बाहर है', बहन रोहिणी आचार्य के बागी तेवर पर पहली बार बोले तेजस्वी यादव

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले लालू यादव परिवार में हलचल तेज हो गई है। रोहिणी आचार्य की नाराजगी की खबरों के बीच अब उनके भाई और राजद नेता तेजस्वी यादव ने प्रतिक्रिया दी है। शुक्रवार (26 सितंबर, 2025) को पत्रकारों से बातचीत में तेजस्वी ने कहा कि कुछ लोग ट्रोलर्स की तरह सोशल मीडिया पर गलत कमेंट कर रहे हैं और रोहिणी दी पर आरोप लगा रहे हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि रोहिणी हमेशा परिवार और पार्टी के लिए समर्पित रही हैं और उनका उद्देश्य कभी व्यक्तिगत स्वार्थ नहीं रहा।

रोहिणी दी ने बड़ा बलिदान दिया है- तेजस्वी

तेजस्वी ने कहा कि, रोहिणी दी की पार्टी और परिवार के प्रति निष्ठा हमेशा स्पष्ट रही है। कभी भी रोहिणी दी की इच्छा अपने स्वार्थ में नहीं रही है। पार्टी को आगे बढ़ाने में रही हैं। हमको आगे बढ़ाने में जो कर सकती हैं, कर रही हैं। ना टिकट पाना, ना किसी को टिकट दिलवाना, ना कोई पद पाना - कोई इच्छा नहीं रही है।

उन्होंने यह भी बताया कि रोहिणी ने परिवार के लिए बड़ा बलिदान दिया है। हमारी बहन ने अपने पिता को किडनी दी। यह बलिदान आजकल कम ही देखने को मिलता है।

चुनाव से पहले बीजेपी को बड़ा झटका, 2 बड़े नेताओं ने थामा आजजेडी का दामन

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। बीते 24 घंटों में वायरल हुई एक तस्वीर ने सियासत में हड़कंप मचा

दिया। इस तस्वीर में पूर्व मंत्री बृज किशोर बिंद और पूर्व विधायक निरंजन राम तेजस्वी यादव के साथ नजर आए।

5 हजार से ज्यादा वक्फ संपत्तियां, बोर्ड को नहीं पता-कितनों पर अतिक्रमण, सीएम ने मांगी रिपोर्ट

उत्तराखंड में 5 हजार से ज्यादा वक्फ संपत्तियां हैं, लेकिन कितनी संपत्तियों पर अतिक्रमण हैं। इसकी जानकारी उत्तराखंड वक्फ बोर्ड को नहीं है। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की ओर से सभी वक्फ संपत्तियों का रिकॉर्ड भारत सरकार के 'उम्मीद पोर्टल' पर अनिवार्य रूप से दर्ज करने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अल्पसंख्यक कल्याण विभाग को निर्देश दिए हैं कि वक्फ संपत्तियों का संपूर्ण ब्यौरा शीघ्र उपलब्ध कराया जाए। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के विशेष सचिव डॉ. पराग मधुकर धकाते की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

प्रियंका गांधी ने पटना में भरी हुंकार, 'चुनाव से पहले कुछ पैसे देकर आपको खरीदने की कोशिश कर रहे हैं'

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस प्रदेश में अपना आधार मजबूत करने में जुटी हुई है। राहुल गांधी ने पहले वोट अधिकार यात्रा निकाली और फिर कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक भी पटना में हुई है। अब शुक्रवार को चुनाव से पहले प्रियंका गांधी ने महिलाओं की रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने नीतीश सरकार के महिलाओं के खाते में 10,000 रुपये दिए जाने की योजना पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले कुछ रुपये देकर महिलाओं को खरीदने की कोशिश हो रही है।

प्रियंका गांधी ने महिलाओं की रैली में कहा कि हमारी सरकार बनने पर महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपए दिए जाएंगे। इसके अलावा, 25 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज सरकार की ओर से होगा। भूमिहीन परिवारों के लिए 3 से 5 डिसमिल जमीन का मालिकाना हक महिलाओं को देने का भी वादा किया।

प्रियंका गांधी ने नीतीश सरकार पर बड़ा आरोप लगाते हुए उनकी महिलाओं के खाते में 10,000 जमा किए जाने की योजना पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'आपको देखना पड़ेगा कि कौन सी पार्टी आपको सम्मान दे रही है। आज चुनाव आ गए हैं, तो ये महिलाओं को 10,000 रुपये दे रहे हैं। इतने दिन से क्यों नहीं दिया था।'

यह भी पढ़ें: ईं१ उँ४ल्लं५: 'ये बर्दाश्त के बाहर है', बहन रोहिणी आचार्य के बागी तेवर पर पहली बार बोले तेजस्वी यादव

वायनाड से कांग्रेस सांसद ने आगे कहा, 'सम्मान का मतलब ये नहीं कि चुनाव से पहले कुछ पैसे दे दिए जाएं- ये तो खरीदने की कोशिश है। महिला सम्मान तब होगा जब आपको हर महीने सही मानदेय मिलेगा।

सिलतरा स्टील प्लांट का हिस्सा गिरने से 6 की मौत, आखिर कैसे हुई इतनी बड़ी चूक?

(जीएनएस)।

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। शहर के बाहरी इलाके सिलतरा इंडस्ट्रियल एरियामें स्थित गोदावरी इस्पात लिमिटेड स्टील प्लांट में शुक्रवार, 26 सितंबर को बड़ा हादसा हो गया।

हादसा उस समय हुआ जब प्लांट के निर्माण कार्य के दौरान एक भारी ढांचा अचानक गिर पड़ा। इस मलबे के नीचे दबकर कम से कम 6 मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, निर्माण स्थल पर मजदूर रोजाना की तरह काम कर रहे थे। तभी अचानक फैक्ट्री के भीतर मौजूद भारी मशीन का एक हिस्सा गिर पड़ा। इसकी चपेट में आने से कई मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना भयानक था कि मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए। घटनास्थल पर रेस्क्यू ऑपरेशन तुरंत शुरू किया गया।

रायपुर रढ लाल उमेद सिंह ने बताया कि, मलबे के नीचे दबे मजदूरों को बाहर निकालने के लिए जेसीबी और अन्य मशीनों की मदद ली। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, 6 मजदूरों की मौत हो चुकी है और कई मजदूर घायल हैं। हालांकि मृतकों की संख्या को लेकर अभी तक कोई सटीक जानकारी नहीं मिल रही है मौत के आंकड़े बढ़ भी सकते हैं।

घायलों को तुरंत पास के जिला अस्पताल पंडरी और अन्य निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के मुताबिक, कुछ घायलों की हालत नाजुक बनी हुई है और उन्हें विशेष निगरानी में रखा गया है।

हादसे की जानकारी मिलते ही रायपुर जिला प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। प्रशासन ने पूरे मामले की गंभीरता को देखते हुए घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं। फिलहाल हादसे के सही कारणों का पता नहीं चल सका है। इस हादसे के बाद स्थानीय मजदूरों और उनके परिजनों में आक्रोश फैल गया है। उनका कहना है कि प्लांट प्रबंधन ने सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए थे, जिसके चलते यह बड़ा हादसा हुआ।

फिलहाल मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

पांच लाख से अधिक छात्रों को दीपावली से पहले दी जाएगी छात्रवृत्तिः सीएम योगी

अनुसूचित जाति-जनजाति के करीब पांच लाख छात्रों को संस्थान की ओर से डाटा अपलोड न करने की वजह से छात्रवृत्ति नहीं मिल पायी क्योंकि डाटा लॉक हो गया था। ऐसे

छात्रों को दीपावली से पहले छात्रवृत्ति देने के लिए पैसा तैयार कर लिया गया है। छात्रवृत्ति से वंचित सभी छात्रों को दीपावली से पहले उनके खाते में छात्रवृत्ति भेज दी जाएगी।

वहीं जिनकी वजह से छात्रों को स्कॉलरशिप नहीं मिल पायी है, उनकी भी जवाबदेही तय की जाएगी ताकि आने वाले समय में ऐसी त्रुटि न हो। किसी भी देश और प्रदेश की आर्थिक प्रगति का पैमाना शिक्षा से शुरू होता है। ऐसे में छात्रों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराना हमारी जिम्मेदारी है।

सम्पादकीय

बिहार में टिकट बटवारे की मुश्किल

एनडीए की तरह महागठबंधन में भी सीटों का पेंच सुलझता नजर नहीं आ रहा है। महागठबंधन में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अलावा कांग्रेस, भाकपा, माकपा, माले, झामुमो, मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पाटा (वीआईंपी) और पशुपति पारस की राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पाटा (रालोजपा) शामिल है। बिहार में विधानसभा चुनाव की लड़ाई टिकट बंटवारे पर आकर ठहर गई है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) हो या इंडिया गठबंधन (महागठबंधन) दोनों के सहयोगी दल एक अदद सीट के लिए एक दूसरे के विरोधी बने हुए हैं। ऊपर से दोनों गठबंधनों के नेता भले ही सार्वजनिक रूप से यह दावा करते हैं कि सब ठीकठाक है और सीट बंटवारे की कोई समस्या नहीं है। लेकिन भीतर ही भीतर खींचतान जारी है। बिहार में इस साल नवंबर में विधानसभा चुनाव अपेक्षित है। राज्य में 22 नवंबर से पहले सरकार का गठन जरूरी है, क्योंकि वर्तमान सरकार का कार्यकाल 22 नवंबर को पूरा हो रहा है। पहले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की बात करते हैं। इस गठबंधन की सबसे बड़ी पाटा भारतीय जनता पाटा (भाजपा) है। वर्तमान विधानसभा में उसके 80 विधायक हैं। दूसरे स्थान पर जनता दल (यूनाईटेड) है। उसके 45 विधायक हैं। तीसरे स्थान पर चिराग पासवान की पाटा लोक जनशक्ति पाटा (रामविलास) है। विधानसभा में लोजपा का कोई विधायक नहीं है, लेकिन पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव में उसका स्ट्राइक रेट सबसे अच्छा रहा है। उसे चुनाव लड़ने के लिए वुल पांच सीटें दी गईं थीं और उसने सभी सीटों पर जीत हासिल की थी। चिराग दलित नेता स्व रामविलास पासवान के बेटे हैं और फिलहाल वेंद्रीय सरकार में वैबिनेट मंत्री हैं। चौथे स्थान पर जीतनराम मांझी की पाटा हिन्दुस्तान अवाम मोर्चा (हम) है। विधानसभा में उसके चार विधायक हैं। चिराग की तरह मांझी भी वेंद्रीय सरकार में वैबिनेट मंत्री हैं। गठबंधन में आिखरी पायदान पर उपेन्द्र वुशवाहा की पाटा राष्ट्रीय लोक समता पाटा (रालोमो) है। वुशवाहा पिछले साल लोकसभा का चुनाव हार गए थे। बाद में भाजपा ने अपने कोटे से उन्हें राज्यसभा का सदस्य बनाया है। एनडीए की सबसे बड़ी पाटा होने के कारण भाजपा का दावा इस बार अधिक सीटों पर लड़ने का बनता है। लेकिन मुख्यमंत्री होने और गठबंधन का चेहरा होने के कारण जदयू इस बार भी बराबर सीटों सीटों का दावा कर रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में जदयू 115 सीटों पर लड़ी थी, लेकिन उसे महज 43 सीटों पर जीत मिली थी। तब चिराग पासवान की लोजपा (आर) एनडीए के साथ नहीं थी। उसने चुन-चुनकर जदयू उमीदवारों के खिलाफ प्रत्याशी उतार दिए थे। नतीजतन नीतीश वुमार की जदयू तीसरे स्थान पर खिसक गई थी। लोजपा (आर) के अधिकांश उम्मीदवार भाजपा के कार्यकर्ता थे और चुनाव परिणाम के बाद धीरे-धीरे भाजपा में शामिल हो गए। नीतीश और जदयू के नेता मन मसोस कर रह गए। इसलिए इस बार सीटों के बंटवारे में जदयू आर-पार के मूड में है। उसकी चाहत तो दोबारा 115 सीटों की है लेकिन भाजपा के लिए भी यह चुनाव करो या मरो सरीखा है। उधर चिराग पासवान 35 से 40 सीटों पर अड़े हुए हैं। इस बीच जीतनराम मांझी ने बता दिया है कि यदि उनकी पाटा को 15-20 से कम सीटें मिली तो वह मजबूर होकर 100 सीटों पर उम्मीदवार उतार देंगे। राष्ट्रीय लोक समता पाटा के सुप्रीमो उपेन्द्र वुशवाहा सीटों की संख्या तो नहीं बताते, लेकिन इतना जरूर कहते हैं कि अगर इस बार भी उन्हें डुबाने की कोशिश की गई, तो डुबाने वाले भी डूब जाएंगे। वुशवाहा लोकसभा चुनाव में हुई अपनी करारी हार को अब तक नहीं पचा पाये हैं। एनडीए की तरह महागठबंधन में भी सीटों का पेंच सुलझता नजर नहीं आ रहा है। महागठबंधन में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अलावा कांग्रेस, भाकपा, माकपा, माले, झामुमो, मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पाटा (वीआईंपी) और पशुपति पारस की राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पाटा (रालोजपा) शामिल है। इसमें कांग्रेस ने 76 उम्मीदवारों के नामों के साथ अपनी सूची तेजस्वी यादव को सौंप दी है। महागठबंधन पर दबाव बढ़ाने के लिए कांग्रेस ने पटना में आजादी के बाद पहली बार अपनी राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक भी की है। पिछली बार कांग्रेस 70 सीटों पर लड़ी थी जिसमें 19 जीती थी।

कौन है आईएएस अफसर की पत्नी चंपा विश्वास? लालू राज में महीनों तक घर के अंदर होती थी हैवानियत, मोदी ने अब किया याद

(जीएनएस)।

बिहार की राजनीति में जब भी "जंगलराज" का जिक्र होता है, तो उन अंधेरे सालों की कहानियां लोगों की रूह कंपा देती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार 26 सितंबर ही में 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' की शुरूआत के दौरान इसी दौर का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि लालू यादव के शासन में हालात इतने भयावह थे कि क्अर अफसर से लेकर डॉक्टर तक इसके शिकार हुए और उनकी पत्नियों को तक हैवानियत झेलनी पड़ी।

पीएम मोदी के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर एक बार फिर क्अर अफसर की पत्नी चंपा विश्वास का दर्दनाक किस्सा चर्चा में है। 1990 से 2005 तक का दौर बिहार की राजनीति में अपराध और सत्ता के गठजोड़ का प्रतीक माना जाता है। हत्या, अपहरण, रंगदारी और बलात्कार की घटनाएं इतनी आम हो गई थीं कि लोग इसे "जंगलराज" कहने लगे। इस दौरान सिर्फ आम लोग ही नहीं, बल्कि अफसरों और उनके परिवार तक को निशाना बनाया जाता था। इन्हीं घटनाओं में से एक थी क्अर बीबी विश्वास की पत्नी चंपा विश्वास के साथ हुआ बर्बर अत्याचार।

कौन हैं चंपा विश्वास?

चंपा विश्वास, 1982 बैच के IAS अधिकारी बीबी विश्वास की पत्नी थीं। बीबी विश्वास 1995 में बिहार के समाज कल्याण विभाग में सचिव पद पर कार्यरत थे। ऊंचे पद और प्रतिष्ठा के बावजूद उनके परिवार को जो कुछ सहना पड़ा, वह उस दौर की भयावह तस्वीर पेश करता है।

7 सितंबर 1995 को फ्खऊ विधायक हेमलता यादव ने चंपा विश्वास को अपने घर बुलाया। बताया जाता है कि वहीं हेमलता के बेटे मृत्युंजय यादव ने चंपा के साथ बलात्कार किया। इसके बाद चुप रहने की धमकी दी गई और कहा गया कि अगर उन्होंने किसी से इस बारे में बात की तो उनके पूरे परिवार को गंभीर अंजाम भुगतना होगा।

यहीं से चंपा विश्वास की जिंदगी एक अंतहीन डर और पीड़ा में बदल गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अगले दो सालों तक उन्हें लगातार यौन उत्पीड़न का शिकार बनाया गया। सिर्फ चंपा ही नहीं, बल्कि उनकी मां, भतीजी और यहां तक कि घरेलू सहायिकाओं को भी निशाना बनाया गया।

न्याय की लड़ाई और राजनीतिक दबाव

जब चंपा ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, तो उन्हें मामले को दबाने की सलाह दी गई। लेकिन चंपा चुप नहीं रहीं। उन्होंने बिहार के तत्कालीन राज्यपाल को चिट्ठी लिखकर न्याय की गुहार लगाई। इस पत्र के सामने आने के बाद मामला सुर्खियों में आया और राजनीतिक गलियारों में भूचाल मच गया।

राज्यपाल के हस्तक्षेप के बाद 1997 में मृत्युंजय यादव को गिरफ्तार किया गया। हेमलता यादव कुछ समय तक फरार रहीं, लेकिन आखिरकार उन्होंने आत्मसमर्पण कर दिया।

अदालत का फैसला और निराशा

2002 में पटना की निचली अदालत ने मृत्युंजय यादव को 10 साल की सजा और हेमलता यादव को 3 साल की सजा सुनाई। इस फैसले से चंपा और उनके परिवार को थोड़ी राहत जरूर मिली, लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं हुई।

बाद में पटना हाईकोर्ट ने निचली अदालत का फैसला पलट दिया और दोनों को बरी कर दिया। यह फैसला चंपा विश्वास के लिए गहरी निराशा और न्याय व्यवस्था पर सवाल छोड़ गया।

इस पूरे मामले ने चंपा विश्वास की जिंदगी हमेशा के लिए बदल दी। पति बीबी विश्वास के निधन के बाद वे कोलकाता चली गईं और वहां गुमनाम जिंदगी जीने लगीं। हाल के वर्षों में उनके बारे में कोई सार्वजनिक जानकारी सामने नहीं आई है। वे अब पूरी तरह से सार्वजनिक जीवन से दूर हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में जंगलराज का जिक्र कर यह संदेश देने की कोशिश की कि बिहार में एनडीए सरकार आने के बाद महिलाओं की स्थिति में बड़ा सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं पहले से कहीं ज्यादा सुरक्षित और सशक्त हैं, जबकि लालू राज में हालात बेहद खराब थे।

चंपा विश्वास की कहानी सिर्फ एक महिला की त्रासदी नहीं है, बल्कि उस दौर के बिहार की भयावह हकीकत की झलक भी है। यह याद दिलाती है कि सत्ता और अपराध के गठजोड़ ने कैसे प्रशासन को खोखला कर दिया था। आज जब यह किस्सा फिर से चर्चा में है, तो यह बिहार की राजनीति और समाज दोनों के लिए एक कड़वी याद बनकर सामने आता है।

'मुस्लमानों की आस्था अधूरी है', आईलव मोहम्मद ववाद पर ओवैसी का तीखा बयान

(जीएनएस)।

देश में चल रहे I Love Muhammad पोस्टर को लेकर चल रहे विवाद पर अक्टक्ट अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने शुक्रवार, 26 सितंबर को तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर किसी की आस्था के इस तरह के भाव को इतना खतरा क्यों माना जा रहा है।

ओवैसी ने मीडिया से कहा, "अगर कोई 'I Love Muhammad' ग्रुप बना सकता है, तो इसमें समस्या क्या है? इसमें कौन-सी हिंसा प्रोत्साहित हो रही है? अगर शब्द है 'प्यार', तो किसे परेशानी है? मुझे लगता है कि इन लोगों के लिए मुगल-ए-आजम का 'मोहब्बत ज़िंदाबाद' गाना चलना चाहिए। अगर 'हैप्पी बर्थडे पीएम मोदी' पोस्टर चल सकता है, तो 'I Love Muhammad' पोस्टर क्यों नहीं?"

धर्म की स्वतंत्रता और संवैधानिक अधिकार

ओवैसी ने संविधान के अनुच्छेद 25 का हवाला देते हुए कहा कि धर्म की स्वतंत्रता हर नागरिक का मौलिक अधिकार है। उन्होंने कहा, "इसमें कौन-सी बात देशद्रोही है? किस बात से हिंसा बढ़ती है? ... एक मुसलमान की आस्था तब पूरी होती है जब वह पैगंबर मोहम्मद से दुनिया की हर चीज से ज्यादा प्यार करता है। आप इस पर आपत्ति जताकर दुनिया को क्या संदेश दे रहे हैं?"

AIMIM नेता ने उत्तर प्रदेश सरकार की आलोचना भी की और आरोप लगाया कि यहां चुनिंदा प्रतिबंध लागू किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, "यूपी में ADGP कह रहे हैं कि नए पोस्टर नहीं लगाए जाएंगे। लेकिन 'हैप्पी बर्थडे प्रधानमंत्री' या 'हैप्पी बर्थडे मुख्यमंत्री' के लिए अनुमति दी जाएगी। फिर कानून बना दें कि इस देश में कोई भी 'प्यार' के बारे में नहीं बोल सकता।"

कैसे शुरू हुआ ये विवाद?

यह विवाद 9 सितंबर को शुरू हुआ, जब कानपुर पुलिस ने 4 सितंबर को बरावफत जुलूस के दौरान सड़क पर "I Love Mohammad" बोर्ड लगाने के आरोप में नौ लोगों और 15 अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। कुछ हिंदू समूहों ने इसे "नई प्रवृत्ति" और जानबूझकर उत्तेजना फैलाने वाला कदम बताया।

वहीं ओवैसी ने सोशल मीडिया पर पोस्टरों का समर्थन करते हुए कहा कि "I Love Muhammad कहना कोई अपराध नहीं है।" उनके इस बयान ने मामले को और व्यापक ध्यान दिलाया।

उमर अब्दुल्ला ने भी दिया समर्थन

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी इस मामले पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि तीन साधारण शब्दों-"I Love Muhammad"-को अवैध ठहराना अजीब है। उन्होंने कहा, "किसे इस पर आपत्ति हो सकती है? इसे लेकर एफआईआर दर्ज करना मानसिक रूप से अस्वस्थ होना चाहिए। मैं चाहता हूं कि अदालत इसे जल्दी ठीक करे।"

उमर अब्दुल्ला ने धर्म विशेष से जुड़े होने के बावजूद कहा कि किसी को यह आपत्ति नहीं होनी चाहिए। "क्या अन्य धर्मों के लोग अपने गुरुओं या देवी-देवताओं के बारे में लिखते नहीं हैं? हमारे सिख भाई-बहन अपने गुरुओं के बारे में लिखते हैं। हमारे हिंदू भाई-बहन अपने देवी-देवताओं के बारे में लिखते हैं। अगर यह गैरकानूनी नहीं है, तो यह क्यों हो?"

यह विवाद एक बार फिर यह सवाल उठा रहा है कि धार्मिक आस्था के निजी भावों पर किस तरह की सीमाएँ लगाई जाएँ। ओवैसी और अब्दुल्ला दोनों ने स्पष्ट किया कि प्यार और आस्था को अपराध या हिंसा से जोड़कर देखना ठीक नहीं है। मामला न केवल कानपुर या उत्तर प्रदेश तक सीमित है, बल्कि देश भर में धार्मिक स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की सीमा पर बहस को नई दिशा दे रहा है।

सोनम जोधपुर जेल के हाई-सिक्योरिटी वार्ड में क्यों शिफ्ट? 24 घंटे पैनी नजर!

(जीएनएस)। लद्दाख में स्टेटहुड और छठी अनुसूची की मांग को लेकर भड़की हिंसा के बाद मशहूर पर्यावरणविद् और शिक्षाविद् सोनम वांगचुक को 26 सितंबर 2025 को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (NSA) के तहत गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद उन्हें लद्दाख के लेह से विशेष विमान से राजस्थान के जोधपुर सेंट्रल जेल शिफ्ट किया गया।

हाई-सिक्योरिटी वार्ड में रखे गए वांगचुक की 24 घंटे CCTV निगरानी हो रही है। लेह में इंटरनेट बंद और कर्फ्यू के बीच उनकी गिरफ्तारी ने सियासी तूफान खड़ा कर दिया है। आखिर क्यों सोनम वांगचुक को जोधपुर जेल शिफ्ट किया गया? 7 पॉइंट्स में समझते हैं, पूरा माजरा...

26 सितंबर 2025 को लद्दाख पुलिस ने लेह के उल्याकटोपो गांव से सोनम वांगचुक को गिरफ्तार किया। पुलिस टीम की अगुवाई उक्ष्ठ र.ऊ जमवाल ने की। औपचारिकताओं के बाद वांगचुक को विशेष विमान से जोधपुर सेंट्रल जेल ले जाया गया। जेल में विशेष तैयारी की गई थी, और उन्हें हाई-सिक्योरिटी वार्ड में रखा गया, जहां 24x7 CCTV और भारी सुरक्षा है। जोधपुर पहुंचने पर उनकी मेडिकल जांच की गई।

वांगचुक पर राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (NSA) लगाया गया, जो बिना जमानत के 12 महीने तक हिरासत की अनुमति देता है। हिरासत का कारण बताना जरूरी है, लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया। गृह मंत्रालय (MHA) ने दावा किया कि वांगचुक के 'उकसावे वाले बयानों' ने 24 सितंबर को लेह में हिंसा भड़काई, जिसमें 4 लोग मारे गए और 90 घायल हुए।

24 सितंबर की घटना है। लेह में स्टेटहुड और छठी अनुसूची की मांग को लेकर प्रदर्शन हिंसक हो गया। प्रदर्शनकारियों ने BJP ऑफिस और पुलिस वाहन पर हमला किया, जिसके जवाब में पुलिस ने आंसू गैस और फायरिंग का इस्तेमाल किया। चार लोगों की मौत और 90 लोग घायल हुए। हिंसा का तात्कालिक कारण दो अनशनकारियों की बिगड़ती हालत थी। लेह में कर्फ्यू और मोबाइल इंटरनेट बंद है। इठर (भारतीय न्याय संहिता) की धारा 163 के तहत 4 से ज्यादा लोगों के जुटने पर रोक है।

वांगचुक ने 10 सितंबर से लेह एपेक्स बॉडी (LAB) और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (KDA) के साथ 35 दिन की भूख हड़ताल शुरू की थी। मांग थी- लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची में शामिल करना। हिंसा के बाद वांगचुक ने 24 सितंबर को अनशन खत्म किया और शांति की अपील की। उन्होंने हिंसा की निंदा की और कहा, 'मैं इसका हिस्सा नहीं था।' वित्तीय अनियमितताएं, जैसे गलत खातों में विदेशी फंड जमा करना और 6.5 करोड़ रुपये का दुरुपयोग। वांगचुक ने कहा, 'मैंने कोई विदेशी फंड नहीं लिया। मेरे निजी पैसे संस्थान में लगाए हैं।'

वांगचुक की पत्नी गितांजलि अंगमो ने कहा, 'सोनम को बिना कारण अपराधी की तरह ट्रीट किया गया। पुलिस ने हमारे घर में तोड़फोड़ की। यह सरकार की छवि खराब करने की साजिश है।' गितांजलि ने दावा किया कि वांगचुक ने हिंसा को रोका और शांति की अपील की थी।

अरविंद केजरीवाल (AAP): केजरीवाल ने इसे 'तानाशाही का चरम' बताया और कहा, 'रावण, कंस और हिटलर का अंत भी हुआ।'

उमर अब्दुल्ला (J&K CM): अब्दुल्ला ने गिरफ्तारी को 'दुर्भाग्यपूर्ण' बताया और केंद्र पर 2020 के वादों से मुकरने का आरोप लगाया।

जयराम रमेश (कांग्रेस): रमेश ने इसे 'ध्यान भटकाने की चाल' बताया।

तेज प्रताप की नई पार्टी 'जनशक्ति जनता दल': पोस्टर में लालू-राबड़ी गायब! क्या भाई तेजस्वी का बढ़ाएंगे सिरदर्द

(जीएनएस)।

बिहार की राजनीति में एक और बड़ा मोड़ आ गया है। चुनाव की तारीखें अभी कुछ ही दिनों में घोषित होने वाली हैं और उससे पहले ही लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने अपनी नई पार्टी का ऐलान करके सबको चौंका दिया है। पार्टी का नाम रखा गया है-जनशक्ति जनता दल लेकिन इस ऐलान से ज्यादा चर्चा जिस बात की हो रही है, वो है पार्टी के पोस्टर में लालू-राबड़ी की गैरमौजूदगी।

पोस्टर में जहां महात्मा गांधी, डॉ. भीमराव अंबेडकर, कपूरी ठाकुर, लोहिया और जयप्रकाश नारायण जैसे दिग्गजों की तस्वीरें लगी हैं, वहीं पिता लालू यादव और मां राबड़ी देवी का चेहरा कहीं नजर नहीं आता। तो क्या तेज प्रताप अब वाकई अपनी अलग राजनीतिक पहचान बनाने में जुट गए हैं? और क्या उनका ये कदम सीधे-सीधे छोटे भाई तेजस्वी यादव की मुश्किलें बढ़ाने वाला है? आइए, पूरी कहानी समझते हैं।

लालू-राबड़ी का पोस्टर से गायब होना, संदेश बड़ा है

तेज प्रताप यादव जब भी चर्चा में आते हैं, तो अक्सर अपने बयान और बगावती तेवरों की वजह से। लेकिन इस बार उन्होंने जो किया है, वह सिर्फ एक इत्तेफाक नहीं बल्कि एक बड़ा राजनीतिक संदेश है। नई पार्टी के पोस्टर में लालू-राबड़ी की तस्वीर न रखना साफ दिखाता है कि अब तेजप्रताप खुद को परिवार और खासकर तेजस्वी यादव से अलग कर चुके हैं।

दरअसल, कुछ समय पहले ही लालू प्रसाद यादव ने तेजप्रताप को फ्खऊ से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया था। यही नहीं, परिवार के

अंदर भी तेजप्रताप को लगभग बेदखल कर दिया गया। ऐसे में, नई पार्टी का जन्म कहीं न कहीं उसी नाराजगी और अलगाव का नतीजा माना जा रहा है।

'ब्लैकबोर्ड' पर लिखेंगे नया राजनीतिक समीकरण

तेजप्रताप की पार्टी का चुनाव चिन्ह ब्लैकबोर्ड रखा गया है। इसके जरिए वो यह संदेश देना चाहते हैं कि बिहार की राजनीति को अब नए सिरे से पढ़ाने और समझाने का वक्त आ गया है।

पार्टी ने नारा दिया है- "सामाजिक न्याय, सामाजिक हक और संपूर्ण बदलाव"। यह वही मुद्दे हैं, जिन पर कभी फ्खऊ ने अपनी मजबूत पकड़ बनाई थी। लेकिन फर्क सिर्फ इतना है कि अब ये बातें तेज प्रताप अपने अंदाज में कह रहे हैं। और उनका यही अंदाज फ्खऊ के लिए सिरदर्द बन सकता है।

तेजस्वी यादव की मुश्किलें कैसे बढ़ाएंगे तेजप्रताप?

बिहार चुनाव में सबसे बड़ा फायदा विपक्षी दलों को तब मिलता है, जब वोटों का बिखराव हो। तेज प्रताप यादव भले ही संगठन और चुनावी नेटवर्क के मामले में अभी कमजोर हों, लेकिन उनका नाम और यादव समाज पर उनकी पकड़ इतनी जरूर है कि वो फ्खऊ के वोट बैंक में सेंध लगा सकते हैं।

खासतौर पर, जिन इलाकों में यादव और अल्पसंख्यक वोट मिलकर फ्खऊ की ताकत बनते हैं, वहां तेज प्रताप अगर अलग उम्मीदवार खड़े करेंगे तो सीधा नुकसान तेजस्वी यादव को होगा। यानी यह कहना गलत नहीं होगा कि तेजप्रताप का चुनाव लड़ना, विपक्षी ठऊ्र के लिए फायदेमंद और फ्खऊ के लिए नुकसानदेह साबित हो सकता है।

पिता लालू का हमला और ठऊ्र पर निशाना

तेज प्रताप के नई पार्टी बनाने के ऐलान के बीच ही लालू यादव ने भी बयान जारी कर दिया। उन्होंने कहा- "पिछले 20 सालों की निर्दयी ठऊ्र सरकार ने किसानों को रुला दिया है। अब इस सरकार को बदलने का वक्त आ गया है।" लालू की यह अपील विपक्षी एकजुटता की ओर इशारा करती है, लेकिन सवाल यह है कि जब घर के अंदर ही बगावत हो रही है, तो क्या बाहर ठऊ्र को हराना और भी मुश्किल नहीं हो जाएगा?

परिवार और राजनीति, दोनों से दूरी

तेज प्रताप यादव की कहानी सिर्फ राजनीति की बगावत नहीं बल्कि परिवारिक दूरी की भी दास्तान है। लालू यादव ने खुद अपने बड़े बेटे को सिर्फ पार्टी से ही नहीं बल्कि घर से भी बाहर का रास्ता दिखा दिया। यह कदम साफ करता है कि अब तेजस्वी ही लालू की राजनीतिक विरासत के असली वारिस माने जा रहे हैं। लेकिन तेज प्रताप को यह स्वीकार नहीं, और शायद इसी वजह से उन्होंने अब अपने दम पर मैदान में उतरने का फैसला किया है।

आगे क्या?

बिहार चुनाव में तेज प्रताप की पार्टी कितना करिश्मा दिखा पाएगी, यह कहना अभी जल्दबाजी होगी। लेकिन इतना जरूर है कि उनकी मौजूदगी से फ्खऊ के सामने नई चुनौती खड़ी हो गई है। अगर तेज प्रताप ने यादव वोटों का थोड़ा भी हिस्सा अपनी ओर खींच लिया, तो यह सीधे-सीधे ठऊ्र को फायदा पहुंचाएगा। और यही बात छोटे भाई तेजस्वी यादव के लिए सबसे बड़ी चिंता की वजह बनेगी।

तेज प्रताप यादव का यह कदम ना सिर्फ पारिवारिक रिश्तों की खटास को दिखाता है बल्कि बिहार की राजनीति में एक नया समीकरण भी खड़ा करता है। आगे का चुनावी नतीजा चाहे जो हो, लेकिन एक बात तय है-इस बार मुकाबला सिर्फ ठऊ्र बनाम फ्खऊ का नहीं होगा, बल्कि भाई बनाम भाई की जंग भी सुर्खियों में रहेगी।

क्या है खंडवा कब्रिस्तान कांड, महिलाओं की कब्रें खोदकर शवों से छेड़छाड़ का आरोपी अय्यूब खान

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में एक ऐसी घटना सामने आई है, जिसने पूरी मानवता को शर्मसार कर दिया। यहां के बड़े कब्रिस्तान में हाल ही में दफनाई गई महिलाओं की कब्रें खोदकर उनके शवों के साथ घिनौनी छेड़छाड़ करने का मामला प्रकाश में आया। आरोपी अय्यूब खान (50 वर्ष), जो अपनी दो पत्नियों की हत्या का दोषी रह चुका है, को कोतवाली पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार कर लिया।

लेकिन गिरफ्तारी के बाद गुरुवार दोपहर जब पुलिस फावड़े को जब्त करने के लिए आरोपी को कब्रिस्तान लेकर पहुंची, तो आक्रोशित भीड़ ने हंगामा मचा दिया। लोगों ने आरोपी को घेर लिया, पीटने की कोशिश की और 'गोली मारो हैवान को, फांसी दो' के नारे लगाए। किसी तरह पुलिस ने भीड़ को संभाला और आरोपी को सुरक्षित बाहर निकाला। यह घटना न केवल स्थानीय स्तर पर सनसनी फैला रही है, बल्कि सोशल मीडिया पर भी बहस छेड़ चुकी है।

यह कांड 21 सितंबर 2025 को तब उजागर हुआ, जब बड़े कब्रिस्तान में दफनाई गई दो महिलाओं के परिजन धार्मिक रस्में (दुआ-फातिहा) के लिए पहुंचे। वहां कब्रें खुली मिलीं और एक महिला शव के पैर वाले हिस्से से कपड़े अस्त-व्यस्त पाए गए। परिजनों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। जांच में पता चला कि यह कोई सामान्य घटना नहीं, बल्कि सुनियोजित अपराध था। आरोपी अय्यूब खान दिन के समय कब्रिस्तान की रेकी करता, ताजा महिलाओं की कब्रें चिह्नित कर लेता और अमावस्या की अंधेरी रातों में फावड़े से कब्रें खोदता। वह कब्र में उतरकर शवों के बाल काटता और तांत्रिक क्रिया के नाम पर छेड़छाड़ करता। पूछताछ में उसने कबूल किया कि वह अपनी 'जिस्मानी और रूहानी ताकत' बढ़ाने के लिए ऐसा करता था।

पुलिस जांच के अनुसार, यह पहली घटना नहीं थी। 19 मई 2025 को बड़े कब्रिस्तान और सिहाड़ा कब्रिस्तान में छह कब्रों के साथ छेड़छाड़ हुई थी। वहीं, 17 मई को मोघट कब्रिस्तान में भी इसी तरह की वारदात का शिकार हुईं दो ताजा कब्रें। कुल मिलाकर, आरोपी ने तीन से अधिक कब्रों के साथ अपराध किया। खास बात यह है कि अय्यूब ने अमावस्या का दिन इसलिए चुना, ताकि संदेह हिंदू तांत्रिकों पर जाए। खंडवा एसपी मनोज कुमार राय ने बताया, "आरोपी ने कब्र की मिट्टी हाथों से या फावड़े से हटाई, फिर शव पर पैरों की तरफ से छेड़छाड़ की। सीसीटीवी में उसकी करतूत कैद हो गई।"

ऋषभ शेट्टी की कांतारा: चैप्टर 1 की एडवांस बुकिंग शुरू

(जीएनएस)।

ऋषभ शेट्टी स्टारर होम्बले फिल्म्स की कांतारा: चैप्टर 1 का ट्रेलर रिलीज हुआ और इसने नए रिकॉर्ड बना दिए। ये फिल्म एक ऐसा सिनेमाई अनुभव दिखाने की राह तैयार की है जो बिल्कुल अलग है। ऐसे में अब जब फिल्म अपनी रिलीज के करीब है, तब मेकर्स ने इसकी एडवांस बुकिंग शुरू कर दी है, जिसके लिए उन्हें जबरदस्त रिस्पॉन्स देखने मिल रहा है।

इंतजार आखिरकार खत्म हुआ, कांतारा: चैप्टर 1 की एडवांस बुकिंग अब कर्नाटक और अमेरिका में शुरू हो गई है। रिस्पॉन्स जबरदस्त रही है, जो पहले कभी नहीं देखी गई। दर्शक इस शानदार सिनेमाई अनुभव के लिए अपनी सीटें बुक करने दौड़ पड़े हैं, और बॉक्स ऑफिस पर इस दीवानगी के साथ, फिल्म अपनी भव्य ओपनिंग के साथ रिकॉर्ड तोड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है।

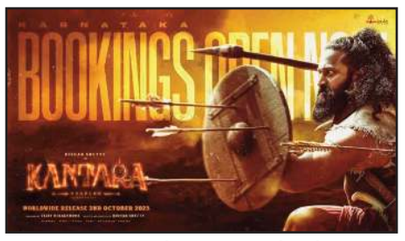

कांतारा: चैप्टर 1 होम्बले फिल्म्स की सबसे बड़ी और महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है। इस फिल्म की क्रिएटिव टीम में म्यूजिक डायरेक्टर बी. अजनीश लोकनाथ, सिनेमैटोग्राफर अरविंद कश्यप और प्रोडक्शन डिजाइनर विनेश बंग्लान शामिल हैं, जिन्होंने मिलकर फिल्म की दमदार विजुअल और भावनात्मक कहानी को आकार दिया है।

इसके अलावा, होम्बले फिल्म्स 2022 की इस ब्लॉकबस्टर फिल्म की विरासत को आगे ले जाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। मेकर्स ने 'कांतारा: चैप्टर 1' के लिए नेशनल और इंटरनेशनल स्पेशलिस्ट के साथ एक बड़ा वॉर सीक्वेंस तैयार किया है, जिसमें 500 से ज्यादा कुशल फाइटर्स और 3,000 लोग शामिल हैं। यह सीक्वेंस 25 एकड़ में फैले एक पूरे शहर में, ऊबड़-खाबड़ इलाके में 45-50 दिनों के दौरान फिल्माया गया था, जो इसे भारतीय सिनेमा के इतिहास में सबसे बड़े सीक्वेंसेज में से एक बनाता है।

यह फिल्म 2 अक्टूबर को दुनिया भर में कन्नड़, हिंदी, तेलुगु, मलयालम, तमिल, बंगाली और अंग्रेजी भाषाओं में रिलीज होगी। यह अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहते हुए भी अलग-अलग भाषाओं और क्षेत्रों के दर्शकों तक पहुँचेगी।

RNI No. GUJHIN/2011/39228 Printed, Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By (1) JIGNESH RASHIKBHAI GAJJAR at Vansh Corporation, A/8, Shayona Golden Estate, Shahibag, Ahmedabad - 380 004 (2) DESAI RAHUL MAHESHBHAI at Bhavani Offset, Bhatiya Ni Wadi, Opp Kalupur Railway Station, Kalupur, Ahmedabad-380 002. (3) HADIK MAHESHBHAI DESAI at Bhoomi Offset, Bhatiya Ni Wadi, Opp Kalupur Railway Station, Kalupur, Ahmedabad-380 002 and Published from TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005. Editor : MANOJKUMAR CHAMPAKLAL SHAH

पश्चिम रेलवे विभिन्न गंतव्यों के लिए चलाएगी पाँच जोड़ी त्योहार स्पेशल ट्रेनें

मुंबई,

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ पूजा के त्योहारी सीजन के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस-सांगानेर, इंदौर-खड़की, इंदौर-हजरत निजामुद्दीन, साबरमती-पटना और राजकोट-बरौनी स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर त्योहार स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है:

1. ट्रेन संख्या 09023/09024 बांद्रा टर्मिनस - सांगानेर सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल [18 फेरे]

ट्रेन संख्या 09023 बांद्रा टर्मिनस-सांगानेर सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को बांद्रा टर्मिनस से 16:45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 12:30 बजे सांगानेर पहुँचेगी। यह ट्रेन 2 अक्टूबर से 27 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09024 सांगानेर-बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार को सांगानेर से 16:50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 11:15 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 03 अक्टूबर से 28 नवंबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, नागदा, चौमहला, शामगढ़, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा और सवाई माधोपुर स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2 टियर, एसी 3 टियर और एसी 3 टियर (इकोनॉमी) कोच होंगे।

2. ट्रेन संख्या 09427/09428 साबरमती -पटना साप्ताहिक स्पेशल [18 फेरे]

ट्रेन संख्या 09427 साबरमतीझ पटना स्पेशल प्रत्येक बुधवार को साबरमती से 18:10 बजे प्रस्थान करेगी और शुक्रवार को 01:00 बजे पटना पहुँचेगी। यह ट्रेन 01 अक्टूबर से 26 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09428 पटनाझ साबरमती स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार को पटना से 04:40 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 09:55 बजे साबरमती पहुँचेगी। यह ट्रेन 03 अक्टूबर से 28 नवंबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, मारवाड़, अजमेर, जयपुर, गांधी नगर जयपुर, दौसा, भरतपुर, अछनेरा, ईदगाह आगरा, टूंडला, इटावा, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., मिर्जापुर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा और दानापुर स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में अउ-3 टियर कोच होंगे।

3. ट्रेन संख्या 09324/09323 इंदौर-खड़की साप्ताहिक स्पेशल [18 फेरे]

ट्रेन संख्या 09324 इंदौर-खड़की साप्ताहिक स्पेशल प्रत्येक बुधवार को 11:15 बजे इंदौर से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 03:10 बजे खड़की पहुंचेगी। यह ट्रेन 1 अक्टूबर से 26 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09323 खड़की-इंदौर साप्ताहिक स्पेशल प्रत्येक गुरुवार 05:10 बजे खड़की से प्रस्थान करेगी और उसी दिन 23:55 बजे इंदौर पहुँचेगी। यह ट्रेन 2 अक्टूबर से 27 नवंबर, 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में देवास, उज्जैन, नागदा, रतलाम, गोधरा, वडोदरा, सूरत, वलसाड, वापी, वसई रोड, कल्याण और लोनावला स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-2 टियर और एसी-3 टियर कोच होंगे।

4. ट्रेन संख्या 09309/09310 इंदौरझहजरत निजामुद्दीन द्वि-साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल [36 फेरे]

ट्रेन संख्या 09309 इंदौर -हजरत निजामुद्दीन सुपरफास्ट स्पेशल इंदौर से प्रत्येक शुक्रवार और रविवार को 17:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 05:00 बजे हजरत निजामुद्दीन पहुँचेगी। यह ट्रेन 03 अक्टूबर से 30 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09310 हजरत निजामुद्दीन-इंदौर सुपरफास्ट स्पेशल हजरत निजामुद्दीन से प्रत्येक शनिवार और सोमवार को 08:20 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 21:00 बजे इंदौर पहुँचेगी। यह ट्रेन 04 अक्टूबर से 01 दिसंबर, 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में देवास, उज्जैन, नागदा, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी और मथुरा स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-2 टियर और एसी-3 टियर कोच होंगे।

5. ट्रेन संख्या 09569/09570 राजकोट-बरौनी साप्ताहिक स्पेशल [18 फेरे]

ट्रेन संख्या 09569 राजकोट-बरौनी साप्ताहिक स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को राजकोट से 17:00 बजे प्रस्थान करेगी और शनिवार को 05:00 बजे बरौनी पहुँचेगी। यह ट्रेन 2 अक्टूबर से 27 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09570 बरौनी-राजकोट साप्ताहिक स्पेशल प्रत्येक शनिवार को बरौनी से 14:40 बजे प्रस्थान करेगी और सोमवार को 04:40 बजे राजकोट पहुँचेगी। यह ट्रेन 04 अक्टूबर से 29 नवंबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में वाकानेर, सुरेंद्रनगर, चांदलोडिया बी केबिन, महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, फालना, मारवाड़, ब्यावर, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, गांधी नगर जयपुर, दौसा, बांदीकुई, भरतपुर, ईदगाह आगरा, टूंडला, गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर और शाहपुर पटोरी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में अउ-2 टियर और अउ-3 टियर कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09023, 09427 09324, 09309 एवं 09569 की बुकिंग 28 सितंबर, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

भावनगर मंडल कार्यालय में विभागीय राजभाषा प्रदर्शनी का आयोजन

राजभाषा माह -2025 के अंतर्गत पश्चिम रेलवे, भावनगर मंडल में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक 26 सितम्बर 2025 (शुक्रवार) को रेलवे कम्युनिटी हॉल, भावनगर परा में विभागीय राजभाषा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

भावनगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया कि इस प्रदर्शनी में मंडल के 13 विभागों ने सक्रिय रूप से भाग लिया, जहाँ प्रत्येक विभाग ने अपने अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा राजभाषा हिंदी में किए जा रहे कार्यों को प्रदर्शित किया। प्रदर्शनी का उद्घाटन मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर मंडल के अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा ने प्रदर्शनी की सराहना करते हुए सभी विभागों को अधिक से अधिक कार्य हिंदी में करने हेतु प्रेरित किया तथा सभी को बधाई दी। साथ ही प्रदर्शनी के सफल आयोजन के लिए उन्होंने हिंदी विभाग की भी प्रशंसा की।

राजभाषा माह के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए विभिन्न रुचिकर हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जा रहा है, जिससे राजभाषा हिंदी के प्रयोग और संवर्धन को प्रोत्साहन मिलेगा।

माननीय सांसद डॉ. हेमांग जोषी द्वारा छायापुरी रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधा के विविध कार्यों का लोकार्पण

माननीय सांसद डॉ. हेमांग जोषी द्वारा 25 सितम्बर 2025 को छायापुरी रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म 1 एवं 2 पर नवनिर्मित एस्केलेटर, फूट ओवर ब्रिज एवं वाटर कूलर का लोकार्पण किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके ने माननीय सांसद का स्वागत किया। इस अवसर पर डॉ॰ जोषी ने कहा कि छायापुरी रेलवे स्टेशन एक अग्रणी स्टेशन है और यहाँ प्रदान की गई नई यात्री सुविधाएँ विशेषकर दिव्यांगजन, वृद्ध एवं बीमार यात्रियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगी। उन्होंने वडोदरा मंडल द्वारा यात्रियों को सुविधाजनक सेवाएँ उपलब्ध कराने हेतु किए जा रहे सतत प्रयासों की सराहना की।

डॉ॰ जोषी ने जानकारी दी कि छायापुरी स्टेशन पर बने इस एस्केलेटर एवं फूट ओवर ब्रिज की लागत लगभग 8 करोड़ रुपये है। इसके बन जाने से यात्रियों को प्लेटफॉर्म क्रमांक 1 से 2 पर आने-जाने में आसानी होगी तथा यात्री सुविधाओं में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

छायापुरी रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म 2 पर निःशुल्क शीतल पेयजल सुविधा शुरू की गई है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य भीषण गर्मी के दौरान प्रतिदिन स्टेशन से गुजरने वाले हजारों यात्रियों को स्वच्छ और शीतल पेयजल उपलब्ध कराना है। यह कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (उरफ) के तहत के.पी. एज्युकेशन एवं मेडिकल संस्था और रेलवे के बीच एक सहयोगात्मक प्रयास है।

लोकार्पण कार्यक्रम के उपरांत माननीय सांसद डॉ॰ हेमांग जोषी ने चल रहे ह्व स्वच्छता ही सेवा - 2025ह्व अभियान के तहत ह्वएक दिन, एक घंटा, एक साथह्व कार्यक्रम के अंतर्गत छायापुरी रेलवे स्टेशन पर श्रमदान किया। इस अवसर पर उनके साथ मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके एवं अन्य रेल अधिकारियों ने भी सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

नाबालिक बच्चों को 'सखी वन सेंटर' पोरबंदर को सुरक्षित सुपुर्द किया गया

दिनांक 25 सितम्बर 2025 को रेल सुरक्षा बल, पोरबंदर पोस्ट पर तैनात सहायक उपनिरीक्षक धर्मेन्द्र चौधरी द्वारा नियमित गश्त के दौरान सवारी गाड़ी संख्या 19208 (राजकोटझपोरबंदर) के आगमन समय प्लेटफॉर्म संख्या 3/4 पर एक नाबालिक लड़की एवं एक नाबालिक लड़का (उम्र लगभग 7-8 वर्ष) संदिग्ध अवस्था में पाए गए।

बच्चों को पोस्ट पर लाकर पूछताछ की गई, किंतु वे बोल नहीं पा रहे थे और केवल इशारों के माध्यम से ही अपनी बात समझा रहे थे, जिससे वे गूंगे प्रतीत हो रहे थे। दोनों बच्चों के पास कोई भी पहचान संबंधी दस्तावेज उपलब्ध नहीं था।

इस संबंध में जिला बाल संरक्षण इकाई (DCPU) पोरबंदर के श्री कमलेश भाई से संपर्क किया गया। उनके मार्गदर्शन अनुसार दोनों बच्चों को सखी वन सेंटर पोरबंदर को सुपुर्द करने की कार्यवाही की गई। सखी वन सेंटर की इंचार्ज राजी बेन द्वारा दोनों बच्चों को आश्रय देने की सहमति दी गई।

आवश्यक औपचारिकताओं एवं कागजी कार्यवाही पूर्ण करने के पश्चात दोनों नाबालिक बच्चों को सुरक्षित रूप से सखी वन सेंटर, पोरबंदर को सुपुर्द किया गया। आगामी सोमवार को दोनों बच्चों को बाल कल्याण समिति (उहउ) पोरबंदर को विधिवत सूचित कर सुपुर्द किया जाएगा।

रेल सुरक्षा बल पोरबंदर द्वारा समय पर की गई कार्रवाई से दोनों नाबालिक बच्चों को सुरक्षित आश्रय मिल सका।

पश्चिम रेलवे के चर्चगेट और मुंबई सेंट्रल स्टेशनोंके बीच 28 सितम्बर, 2025 को जम्बो ब्लॉक

मुंबई, 2

ट्रैक, सिगनलिंग और ओवरहेड उपस्करों के रखरखाव हेतु चर्चगेट और मुंबई सेंट्रल (लोकल) स्टेशनों के बीच रविवार, 28 सितम्बर, 2025 को अप एवं डाउन धीमी लाइनों पर 10:35 बजे से 15:35 बजे तक पाँच घंटे का जम्बो ब्लॉक लिया जाएगा।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ब्लॉक अवधि के दौरान अप एवं डाउन धीमी लाइन की सभी ट्रेनों को चर्चगेट और मुंबई सेंट्रल (लोकल) स्टेशनों के बीच फास्ट लाइनों पर चलाया जाएगा।

इस कारण से ब्लॉक के दौरान कुछ उपनगरीय ट्रेनें निरस्त रहेंगी तथा चर्चगेट की कुछ ट्रेनों को बांद्रा/दादर स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट/रीवर्स किया जाएगा। यात्रियों से अनुरोध है कि कृपया उपर्युक्त व्यवस्था को ध्यान में रखकर यात्रा करें।

बहुजन समाज पार्टी ने जारी कर दी उम्मीदवारों की पहली लिस्ट, किस सीट से कौन लड़ रहा चुनाव?

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव की सुगबुगाहट तेज हो गई है। जहां एक ओर एनडीए और महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर अभी तक खींचतान चल रही है, वहीं मायावती की बहुजन समाज पार्टी (BSP) ने सबसे पहले अपना दांव खेल दिया है।

बसपा ने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है और तीन उम्मीदवारों के नाम का ऐलान भी कर दिया है। इसी के साथ बीएसपी बिहार चुनाव में सबसे पहले उम्मीदवार उतारने वाली पार्टी बन गई है। आइए जानें पहली लिस्ट में किन तीन उम्मीदवारों के नाम हैं और किसे कहां से टिकट मिला है। पहली लिस्ट में तीन नाम, हर उम्मीदवार की अलग पहचान

बीएसपी की ओर से जो तीन चेहरे पहली लिस्ट में शामिल किए गए हैं, उनमें भभुआ, मोहनियां और रामगढ़ विधानसभा सीटें आती हैं।

◆ भभुआ से लल्लू पटेल: वे इस इलाके से जिला परिषद सदस्य हैं और जमीनी पकड़ मजबूत मानी जाती है।

◆ मोहनियां से ओम प्रकाश दीवाना: भोजपुरी जगत के जाने-माने गायक हैं। उनकी लोकप्रियता को देखते हुए पार्टी ने उन्हें टिकट दिया है।

◆ रामगढ़ से सतीश यादव ऊर्फ पिंटू यादव: पूर्व आरजेडी विधायक अंबिका यादव के बेटे हैं। पिंटू यादव 2022 के उपचुनाव में भी बीएसपी प्रत्याशी रह चुके हैं और महज 1362 वोटों से हार गए थे।

● मायावती का बड़ा ऐलान -'कोई गठबंधन नहीं, अकेले लड़ेंगे चुनाव'

बीएसपी प्रमुख मायावती पहले ही साफ कर चुकी हैं कि उनकी पार्टी इस बार किसी के साथ गठबंधन नहीं करेगी। पार्टी ने ऐलान किया है कि वह बिहार की सभी 243 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी। हाल ही में पार्टी के राष्ट्रीय को-ऑर्डिनेटर आकाश आनंद ने 10 दिन लंबी सर्वजन हिताय जागरूकता यात्रा भी निकाली थी। इसे बीएसपी की चुनावी तैयारियों का आगाज माना जा रहा है।

● बीएसपी का दावा -जनता ऊब चुकी है, अब नया विकल्प चुनेगी

बीएसपी के बिहार प्रभारी अनिल कुमार का कहना है कि बिहार की जनता अब एनडीए और महागठबंधन दोनों से निराश हो चुकी है और एक नए विकल्प की तलाश में है।

उन्होंने बैठक में दावा किया कि "अगली सरकार बिहार में बीएसपी की बनेगी।" बैठक में बीएसपी सांसद रामजी गौतम, प्रदेश प्रभारी सुरेश राव, एनपी अहिरवार, कुणाल विवेक और जिग्नेश जिज्ञासु समेत कई नेताओं ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

बाढ़ राहत प्रयासों में हर पैसा सहयोग करे, यह सुनिश्चित करने के लिए रंगला पंजाब फंड की स्थापना

(जीएनएस)।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने राज्य में राहत और पुनर्वास प्रयासों को बढ़ाने के उद्देश्य से रंगला पंजाब कोष की स्थापना की घोषणा की। यह पहल पंजाब विधानसभा के एक विशेष सत्र के दौरान पेश की गई, जहां मान ने मुख्यमंत्री राहत कोष की सीमाओं पर प्रकाश डाला, जैसे कि कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (उरफ) योगदान पर प्रतिबंध और संसद सदस्यों के लिए दान की सीमा।

बाढ़ राहत के लिए रंगला पंजाब फंड की घोषणा

मान ने आश्वासन दिया कि रंगला पंजाब कोष में हर योगदान का उपयोग बाढ़ प्रभावित व्यक्तियों के लिए विवेकपूर्ण ढंग से किया जाएगा। उन्होंने विभिन्न सामाजिक वर्गों से सकारात्मक प्रतिक्रिया दर्ज की और धन पर दैनिक अपडेट प्रदान करके पारदर्शिता का वादा किया। यह कोष चेक स्वीकार करता है, और मान इसके अध्यक्ष के रूप में कार्य करते हैं। विपक्षी दलों ने मौजूदा मुख्यमंत्री राहत कोष पर इस नए कोष की आवश्यकता पर सवाल उठाया है।

अपने संबोधन के दौरान, मान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की घरेलू मुद्दों पर विदेशी यात्राओं को प्राथमिकता देने के लिए आलोचना की, इसे भारतीय नागरिकों की जरूरतों के प्रति असंवेदनशील बताया। उन्होंने तर्क दिया कि इन यात्राओं और केंद्र की विदेश नीति से कोई ठोस लाभ नहीं हुआ है। मान ने कथित मतदान अनियमितताओं को लेकर भाजपा की भी आलोचना की, यह सवाल उठाते हुए कि महाराष्ट्र और हरियाणा जैसे राज्यों में एक साथ चुनाव क्यों नहीं कराए जाते हैं।

मान ने डिजिटल मतदाता हेरफेर पर चिंता व्यक्त की, राज्यसभा सांसद संजय सिंह की पत्नी से जुड़ी एक घटना का उल्लेख किया। उन्होंने इन मतदान मुद्दों को संबोधित करने में कांग्रेस नेता राहुल गांधी का समर्थन किया, लोकतंत्र को बनाए रखने के लिए उनके महत्व पर जोर दिया। मान ने आगे दावा किया कि पड़ोसी देशों के साथ भारत के विदेश संबंध तनावपूर्ण हैं, वर्तमान विदेश नीतियों की प्रभावशीलता पर सवाल उठाते हुए।

उन्होंने कनाडा, यूके और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में अप्रवासन विरोधी विरोध प्रदर्शनों का उल्लेख किया, जिसमें हाल ही में 73 वर्षीय सिख महिला हरजीत कौर से जुड़ी एक घटना शामिल है, जिन्हें 30 से अधिक वर्षों तक वहां रहने के बाद अमेरिका से निर्वासित कर दिया गया था। मान ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ मोदी की पिछली दोस्ती पर सवाल उठाया, बढ़ती टैरिफों और पाकिस्तान के लिए कथित समर्थन को चिंता के क्षेत्र के रूप में नोट किया।

पश्चिम रेलवे चलायेगी साबरमती-पटना और राजकोट-बरौनी के बीच फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन

पश्चिम रेलवे द्वारा आगामी दिवाली और छठ पूजा फेस्टिवल सीजन के दौरान यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए साबरमती-पटना और राजकोट-बरौनी के बीच साप्ताहिक फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन विशेष किराये पर चलाने का निर्णय लिया गया है। इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:

● ट्रेन संख्या 09427/09428 साबरमती-पटना-साबरमती साप्ताहिक स्पेशल (18 फेरे)

ट्रेन संख्या 09427 साबरमती-पटना स्पेशल 01 अक्टूबर 2025 से 26 नवंबर 2025 तक प्रति बुधवार साबरमती से 18:10 बजे प्रस्थान करेगी तथा तीसरे दिन 01:00 बजे पटना पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 09428 पटना-साबरमती स्पेशल स्पेशल 03 अक्टूबर 2025 से 28 नवंबर 2025 तक प्रति शुक्रवार पटना से 04:40 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 09:55 बजे साबरमती पहुंचेगी।

मार्ग में दोनों दिशाओं में यह ट्रेन महेसाणा, पालनपुर, आबूरोड, मारवाड़, अजमेर, जयपुर, गांधीनगर जयपुर, दौसा, बांदीकुई, भरतपुर, अछनेरा, ईदगाह, टूंडला, इटावा, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज, मिजार्पुर,पंडित दीनदयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा और दानापुर स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 3-टियर (हमसफर) श्रेणी के कोच रहेंगे।

● ट्रेन संख्या 09569/09570 राजकोट-बरौनी-राजकोट (साप्ताहिक) स्पेशल (18 फेरे)

ट्रेन संख्या 09569 राजकोट-बरौनी स्पेशल 02 अक्टूबर 2025 से 27 नवंबर 2025 तक प्रति गुरुवार राजकोट से 17.00 बजे प्रस्थान करेगी तथा तीसरे दिन 05.00 बजे बरौनी पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09570 बरौनी-राजकोट स्पेशल 04 अक्टूबर 2025 से 29 नवंबर 2025 तक प्रति शनिवार बरौनी से 14.40 बजे प्रस्थान करेगी तथा तीसरे दिन 04.40 बजे राजकोट पहुंचेगी।

मार्ग में दोनों दिशाओं में यह ट्रेन वांकानेर, सुरेंद्रनगर, चांदलोडिया-इ, महेसाणा, पालनपुर, आबूरोड, फालना, मारवाड़, ब्यावर, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, गांधीनगर जयपुर, दौसा, बांदीकुई, भरतपुर, ईदगाह, टूंडला, गोविंदपुरी, प्रयागराज, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र,सोनपुर, हाजीपुर और शाहपुर पटोरी स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2-टियर और एसी 3-टियर श्रेणी के कोच रहेंगे।

ट्रेन संख्या 09427 और 09569 की बुकिंग 28 सितंबर, 2025 से यात्री आरक्षण केन्द्रों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

आरपीएफ अहमदाबाद की सतर्कता एवं त्वरित कार्रवाई से महिला यात्री की जान बची और एक संदिग्ध व्यक्ति पकड़ा गया

पश्चिम रेलवे, अहमदाबाद मंडल पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) एवं राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के कर्मचारियों ने अपनी सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से अहमदाबाद स्टेशन पर एक महिला यात्री की जान बचाई तथा एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़कर जीआरपी के हवाले किया।

● महिला यात्री की जान बचाई गई

आरपीएफ एवं जीआरपी कर्मचारी महिला यात्री को बचाते हुए

दिनांक 25 सितम्बर 2025 को अहमदाबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या 1 पर ट्रेन संख्या 16336 नागरकोइलझगांधीधाम एक्सप्रेस से यात्रा कर रही 50 वर्षीय महिला यात्री रूबिना बानो, निवासी गुना, मध्य प्रदेश उतरते समय असंतुलित होकर ट्रेन और प्लेटफार्म के बीच फंस गई।

गश्त कर रहे आरपीएफ कांस्टेबल बृजेश कुमार एवं जीआरपी हेड कांस्टेबल दर्शितभाई ने तत्परता और साहस दिखाते हुए महिला को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। यदि यह कार्रवाई समय पर न होती तो महिला को गंभीर चोटें आ सकती थीं और उसकी जान भी खतरे में पड़ सकती थी।

● आरपीएफ ने संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा

आरपीएफ स्टाफ संदिग्ध व्यक्ति को पकड़े हुए

दिनांक 25.09.2025 को प्लेटफार्म संख्या 03 पर नियमित गश्त के दौरान उपनिरीक्षक सोनू कुमार सैनी, कांस्टेबल बृजेश कुमार एवं कांस्टेबल मुकेश ने एक संदिग्ध व्यक्ति को छिपने का प्रयास करते हुए देखा।उससे पूछताछ की गई, लेकिन वह कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दे सका। जांच के दौरान उसके पास से विवो कंपनी का एक मोबाइल फोन बरामद हुआ, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग ₹10,000/- है। प्राथमिक जाँच में यह आशंका जताई गई कि उक्त मोबाइल फोन किसी यात्री से चोरी हुआ है। संदिग्ध व्यक्ति अपराध करने की नीयत से स्टेशन परिसर में छिपा हुआ था।

पश्चिम रेल्वे

विभिन्न कार्य

Sr.DEN (South),MMCT पश्चिम रेलवे, छठी मंजिल, इंजीनियरिंग विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400008 आमंत्रण

क्र. नं.	निविदा सूचना संख्या एवं दिनांक	कार्य स्थल	कार्य की अनुमानित लागत ₹ में.	EMD ₹
1	BCT/25-26/218, दि. 22.09.2025	चर्चगेट-विरार खंड: वर्ष 24-25 में विभिन्न स्वीकृत ट्रैक कार्यों के संबंध में Sr. DEN(S) मुंबई सेंट्रल खंड के तहत R-260 ग्रेड रेल की वेल्डिंग और प्री-फैब्रिकेटेड मोल्ड्स और सिंगल शॉट क्रूसिबल के साथ स्वचालित टेपिंग थिम्बल के साथ R-260 ग्रेड रेल के वेल्डिंग हिस्से की आपूर्ति।	72,70,359.77	1,45,400/-
2	BCT/25-26/219, दि. 22.09.2025	चर्चगेट - विरार खंड: बाहरी लोगों / झुग्गीवासियों द्वारा कचरा फेंकने से रेलवे भूमि की सुरक्षा के लिए नई बाड़ लगाने और मौजूदा बाड़ के विस्तार का प्रस्ताव।	94,79,432.95	1,89,600/-
3	BCT/25-26/220, दि. 22.09.2025	चर्चगेट - विरार खंड: Sr. DEN (S) अनुभाग के अंतर्गत विभिन्न स्वीकृत ट्रैक कार्यों के संबंध में 60 किलोग्राम के इन-सीटू ग्लूड जोड़ों का निर्माण।	39,24,038.00	7,85,00/-

उपरोक्त सभी निविदाओं के लिए, जमा करने की तिथि एवं समय: दि. 17.10.2025 को 15:00 बजे तक। खोलने की तिथि एवं समय: दि. 17.10.2025, 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएँ।

0630

हमे लाईक करे: facebook.com/WesternRly • हमे फोलो करे: X.com/WesternRly

ये नहीं होने देंगे', नेतन्याहू के किस खतरनाक प्लान पर भड़के अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

(जीएनएस)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजराइली नेताओं की वेस्ट बैंक पर कब्जा करने की धमकी पर कड़ा रुख अपनाया है। AFP की रिपोर्ट के अनुसार, ओवल ऑफिस में ट्रंप ने साफ कहा, 'मैं इजराइल को वेस्ट बैंक पर कब्जा नहीं करने दूंगा, मैं इसकी इजाजत नहीं दूंगा। ऐसा नहीं होगा।'

ट्रंप का यह रुख फिलिस्तीनी पक्ष और अरब देशों के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है, खासकर गाजा में जारी युद्ध और क्षेत्रीय तनाव के बीच। ट्रंप की यह प्रतिक्रिया संयुक्त राष्ट्र में अरब नेताओं के साथ हुई बैठक के कुछ दिनों बाद आई, जिसमें उन्होंने गाजा में युद्ध रोकने का आग्रह किया था।

क्या है मामला?

इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि वे फिलिस्तीनी राज्य के गठन को कभी स्वीकार नहीं करेंगे। हाल ही में उनके मंत्रिमंडल के दक्षिणपंथी सदस्य वेस्ट बैंक पर कब्जा करने की धमकी दे चुके हैं। यह धमकी पश्चिमी देशों द्वारा फिलिस्तीनी राज्य को मान्यता दिए जाने के जवाब में आई है।

वास्तविक स्थिति यह है कि इजराइल पहले से ही वेस्ट बैंक में अपनी गतिविधियों को बढ़ा रहा है, जैसे बस्तियों का निर्माण और सैन्य

नियंत्रण कड़ाई से लागू करना। इससे क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है और फिलिस्तीनी पक्ष में असुरक्षा की भावना फैल रही है। अमेरिका और अन्य पश्चिमी देश इस मुद्दे पर नजर बनाए हुए हैं, जबकि अरब और मुस्लिम देशों ने संयुक्त राष्ट्र के बाहर ट्रंप से वेस्ट बैंक पर कब्जा रोकने की अपील भी की है। संक्षेप में, मामला इस तरह है कि इजराइल अपनी दक्षिणपंथी नीति के तहत फिलिस्तीनी राज्य निर्माण को रोकना चाहता है, वहीं अंतरराष्ट्रीय दबाव और अमेरिका की भूमिका इसे रोकने की कोशिश कर रही है।

क्या ट्रंप के रुख से बदलेंगे नेतन्याहू के फैसले?

ट्रंप के इस बयान के बाद उम्मीद जताई जा रही है कि नेतन्याहू पर दबाव बढ़ सकता है। हालांकि, अमेरिका इजराइल को सैन्य और कूटनीतिक मदद जारी रखता है, जिससे इस दबाव के असर पर सवाल भी खड़े हो रहे हैं। ट्रंप ने अरब नेताओं से वादा किया कि इजराइल वेस्ट बैंक पर कब्जा नहीं करेगा, लेकिन गाजा में युद्ध रोकने के संबंध में उन्होंने कोई ठोस कदम का ऐलान नहीं किया।

ट्रंप ने न्यूयॉर्क में अरब देशों के नेताओं से की मुलाकात

ट्रंप ने मंगलवार को न्यूयॉर्क में आठ अरब और मुस्लिम नेताओं से मुलाकात की। इस बैठक के बाद कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया। ट्रंप ने बताया कि इजराइल को छोड़कर सभी बड़े देशों के साथ उनकी बैठक सफल रही। उन्होंने यह भी कहा कि अगला कदम इजराइली अधिकारियों के साथ बैठक करना होगा, जिसमें वेस्ट बैंक पर कब्जे और गाजा युद्ध पर चर्चा की जाएगी।

विश्लेषकों का कहना है कि ट्रंप का यह रुख फिलिस्तीनी पक्ष और अरब देशों के लिए सकारात्मक संदेश है। इससे मध्य पूर्व में कुछ हद तक तनाव कम होने की उम्मीद जताई जा रही है। वहीं, इजराइल की आक्रामक नीति और दक्षिणपंथी गठबंधन की सख्ती अभी भी समस्या बनी हुई है। ट्रंप की आगे की रणनीति और इजराइली नेताओं के साथ होने वाली बैठक से क्षेत्रीय राजनीति में नई हलचल देखने को मिल सकती है।

आत्मनिर्भर तथा स्वदेशी अभियान को सफल बनाने के लिए रोजमर्रा के उपयोग की वस्तुओं का स्वदेशी होना आवश्यक : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

'निर्मल गुजरात अवॉर्ड्स'– महात्मा मंदिर

गांधीनगर, 26 सितंबर :मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य की 8 महानगर पालिकाओं तथा 16 नगर पालिकाओं को स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए शुक्रवार को 'निर्मल गुजरात अवॉर्ड्स' प्रदान करते हुए स्पष्ट रूप से कहा कि शहरों में ऐसा अधिक बेहतर विकास करने की हमारी मंशा है, जिससे स्वच्छता सहित जनता की सुख-सुविधा के कार्यों के लिए शहरों के बीच अवॉर्ड पाने की प्रतिस्पर्धा हो।

श्री पटेल की अध्यक्षता में गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में निर्मल गुजरात अवॉर्ड वितरण समारोह तथा स्वच्छ भारत मिशन का चिंतन शिविर आयोजित हुआ। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर स्वच्छता क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए 'निर्मल गुजरात अवॉर्ड्स' वितरित किए तथा कुल 18.5 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की। इसके अतिरिक्त; उन्होंने 'मारुं शहेर, मारुं गौरव अभियान' (मेरा शहर, मेरा गौरव अभियान) के लोगो का अनावरण भी किया।

उन्होंने निर्मल गुजरात अवॉर्ड प्राप्त करने वाली महानगर पालिकाओं व नगर पालिकाओं को अभिनंदन देते हुए कहा कि इस प्रकार के अवॉर्ड से अन्य शहरों को भी अधिक अच्छा कार्य करने का प्रोत्साहन मिलता है। स्वतंत्रता के बाद जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देशव्यापी स्वच्छता अभियान शुरू किया गया है, तब स्वच्छता अब सभी नागरिकों के संस्कार एवं स्वभाव में बुन गई है। उन्होंने जोड़ा कि स्वच्छ भारत अभियान, निर्मल गुजरात मिशन जैसे विकासोन्मुखी अभियानों में राज्य सरकार महानगर पालिकाओं-नगर पालिकाओं को वित्तीय सहयोग देने को सदैव तैयार है।

श्री पटेल ने नगर पालिकाओं के निर्वाचित प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि अब हम सबको साथ मिलकर और अधिक गुणवत्तापूर्ण विकास कार्य करने होंगे। विकसित भारत के निर्माण के लिए राज्य में किसी एक शहर का ही विकास नहीं, अपितु छोटे से छोटे सुदूरवर्ती मानव का भी विकास कर उसे मुख्य धारा में लाना हमारा ध्येय है। उन्होंने जोड़ा कि प्रधानमंत्री द्वारा शुरू कराए गए स्वच्छता सहित विभिन्न अभियान आज सच्चे अर्थ में जन आंदोलन बने हैं।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती 25 सितंबर यानी कल से शुरू कर सुशासन के प्रणेता दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती यानी आगामी 25 दिसंबर तक देशभर में 'आत्मनिर्भर भारत' के लिए हर घर स्वदेशी अभियान चलाया जा रहा है। प्रधानमंत्री के इस अभियान को सफल बनाने के लिए हमें इस बात पर बल देना होगा कि हमारे घर में उपयोग में ली जाने वाली रोजमर्रा की वस्तुएँ स्वदेशी हों। उन्होंने सभी का आह्वान किया कि वे आज के समय की मांग के साथ आत्मनिर्भर भारत के लिए अधिक से अधिक स्वदेशी वस्तुएँ अपनाएँ।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि मेक इन इंडिया अंतर्गत भारत में बनी वस्तुओं का उपयोग करें। वे स्वदेशी ही कहलाती हैं। हर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता आवश्यक है। यदि हम स्वदेशी व आत्मनिर्भता पर जोर देंगे, तो ही विकसित भारत के लिए वित्तीय स्थिति तथा अनुशासन के साथ आगे बढ़ता हो, वह हमारा गुजरात राज्य है। नीति आयोग के अनुसार समग्र देश में प्रथम पंक्ति में अगर कोई राज्य है, तो वह गुजरात है। गुजरात में इस वर्ष मनाए जा रहे शहरी विकास वर्ष में जनता को अधिक अच्छी सुविधा उपलब्ध हो; इसके लिए अच्छा-खासा फंड आवंटित किया जा रहा है। इस फंड का बहुत अच्छा उपयोग किया जा रहा है तथा जनता को ढाँचागत सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने इस एक दिवसीय चिंतन शिविर में जो अच्छा लगा हो, वह अपने क्षेत्र में नागरिकों तक पहुँचा कर श्रेष्ठ सुविधा उपलब्ध कराने का उपस्थित सभी से अनुरोध किया।

इस अवसर पर मुख्य सचिव श्री पंकज जोशी ने कहा कि गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री तथा देश के वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से गुजरात के शहर स्वच्छता के क्षेत्र में देश में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। राज्य के शहरों को स्वच्छ एवं निर्मल बनाने के लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में शहरों को विभिन्न सहायता दी जाती है, जिसके फलस्वरूप 'गार्बेज फ्री सिटी सर्वे' में गुजरात के 26 शहरों को गार्बेज फ्री सर्टिफिकेट प्राप्त हुआ है।

उन्होंने बताया कि इसके अलावा; 'रिड्यूस, रियूज तथा रिसाइकल' की थीम पर आयोजित 'स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25' में गुजरात के शहरों ने कुल 12,500 में से औसत 8,100 से अधिक मार्क्स प्राप्त कर समग्र देश में तीसरा क्रम प्राप्त किया है, जो गत वर्ष में आठवाँ क्रम था। श्री जोशी ने स्वच्छता सर्वेक्षण की विभिन्न श्रेणियों में विजेता बने अहमदाबाद, सूरत, गांधीनगर तथा वडोदरा शहर को अभिनंदन दिया और साथ ही आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण में श्रेष्ठ प्रदर्शन कर गुजरात को स्वच्छता क्षेत्र में अधिक से अधिक आगे ले जाने का सभी से अनुरोध किया।

इस अवसर पर स्वागत संबोधन में शहरी विकास विभाग के प्रधान सचिव श्री एम. थेन्नारसन ने कहा कि महात्मा गांधी के 'जहाँ स्वच्छता, वहाँ प्रभुता' के मंत्र को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2014 में स्वच्छ भारत मिशन की शुरूआत की थी। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में गुजरात ने स्वच्छता अभियान में लीड लेकर परिणामकारी कार्य किए हैं। श्री थेन्नारसन ने इसकी विस्तार से जानकारी दी। स्वच्छ भारत मिशन के निदेशक श्री एम. नागराजन ने आभार व्यक्त किया।

इस समारोह में गांधीनगर की महापौर श्रीमती मीराबेन पटेल, म्युनिसिपल एडमिनिस्ट्रेशन की आयुक्त श्री रेम्या मोहन, राज्य की महानगर पालिकाओं व नगर पालिकाओं के पदाधिकारी, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

ट्रंप ने पाकिस्तान के वजीर-ए-आजम को आधा घंटा क्यों करवाया इंतजार? आर्मी चीफ मुनीर भी थे साथ, क्या हुई बात

(जीएनएस)।

पाकिस्तानी वजीर-ए-आजम शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर ने ट्रंप से मुलाकात की। इस हाई-प्रोफाइल मीटिंग के लिए न्यूयॉर्क में दोनों को लंबा इंतजार करना पड़ा। इस्लामाबाद की कूटनीतिक बेबसी की यह कहानी पूरी दुनिया ने देखी। पाकिस्तान के दो सबसे ताकतवर लोगों ने आखिरकार क्या 'कीमत' चुकाई?

सूत्रों की मानें तो दोनों हाई-प्रोफाइल नेताओं को ट्रंप से मिलने के लिए बंद कमरे के बाहर करीब आधा घंटा इंतजार करना पड़ा। एक तरफ पाकिस्तान जहां आर्थिक कंगाली से जूझ रहा है, वहीं दूसरी तरफ उसकी कूटनीतिक 'हैसियत' भी तार-तार होती दिखी।

जिस देश का प्रधानमंत्री और सेना प्रमुख दुनिया के सबसे ताकतवर लीडर से मिलने के लिए दरवाजे पर खड़ा रहे, उस देश की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। यह घटना दशार्ती है कि अमेरिका की नजर में पाकिस्तान की मौजूदा अहमियत कितनी कम हो चुकी है।

ट्रंप ने क्यों करवाया पाक ढट शहबाज को इंतजार?

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ आसिम मुनीर के साथ डोनाल्ड ट्रंप की बैठक अपने तय समय से लगभग आधा घंटा देर से

शुरू हुई। इस देरी का कारण यह था कि ट्रंप उस समय व्हाइट हाउस में एक अलग महत्वपूर्ण काम में व्यस्त थे।

दरअसल, ट्रंप चीन की कंपनी टिकटॉक से जुड़ी डील पर एक एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर हस्ताक्षर करने के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। बैठक को वाशिंगटन समयानुसार शाम 4:30 बजे शुरू होना था, लेकिन ट्रंप के प्रेस इंटरैक्शन के कारण इसमें देरी हुई। इस देरी पर हल्के-फुल्के अंदाज में टिप्पणी करते हुए ट्रंप ने कहा, 'वे आ रहे हैं, और शायद अभी इस कमरे में ही हों। मुझे नहीं पता, क्योंकि हम थोड़े लेट हैं।' यह पूरी घटना सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में रही।

क्या हुई बात?

व्हाइट हाउस में ओवल ऑफिस के बाहर यह 'अपमानजनक' इंतजार सहने के बाद शहबाज शरीफ ने ट्रंप से बंद कमरे में मुलाकात की। इस मुलाकात का मुख्य एजेंडा साफ था:

ट्रंप का साथ और आर्थिक मदद

शहबाज शरीफ का मुख्य उद्देश्य ट्रंप का विश्वास जीतना था, ताकि पाकिस्तान को आर्थिक पैकेज और ऋण राहत मिल सके। पाकिस्तान यह संदेश देने की कोशिश कर रहा था कि वह क्षेत्रीय सुरक्षा में अमेरिका का महत्वपूर्ण सहयोगी बना रहेगा।

क्षेत्रीय सुरक्षा और आतंकवाद पर बात

चूंकि आर्मी चीफ आसिम मुनीर खुद साथ थे, इसलिए क्षेत्रीय सुरक्षा, अफगानिस्तान की अस्थिरता और सीमा पार से होने वाले आतंकवाद पर विस्तृत चर्चा हुई होगी। ट्रंप अतीत में पाकिस्तान को 'आतंकवादियों का सुरक्षित ठिकाना' कह चुके हैं, इसलिए मुनीर ने अमेरिका को यह भरोसा दिलाने की कोशिश की होगी कि पाकिस्तान अब 'भरोसेमंद पार्टनर' है।

भारत-विरोधी कूटनीति का दांव

पाकिस्तान ने ट्रंप के साथ अपने संबंध तब और गहरे किए जब मुनीर ने उन्हें भारत-पाक सीजफायर में भूमिका के लिए नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट कर दिया। इस बैठक में शहबाज शरीफ ने ट्रंप-मोदी के तनावपूर्ण संबंधों का फायदा उठाने की पूरी कोशिश की होगी, ताकि अमेरिका से भारत के खिलाफ रियायतें हासिल की जा सकें।

पेपरलीक केस: सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति पर्यवेक्षक नियुक्त, न्यायिक निगरानी में करेगी एसआईटी जांच

(जीएनएस)।

उत्तराखंड में पेपरलीक केस को लेकर बेरोजगार युवा सड़कों पर हैं। युवा लगातार पेपरलीक मामलों की सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं, साथ ही बीते रविवार को हुए स्नातक स्तरीय पेपर को रद्द करने की मांग कर रहे है। इस बीच राज्य सरकार ने शिकायतों की जांच के लिए एसआईटी गठित की है।

जिसकी जांच न्यायिक निगरानी में कराने का निर्णय लिया गया है। सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति बी.एस. वर्मा (पूर्व न्यायाधीश, उत्तराखण्ड को इस जांच का पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। शासन ने 24 सितम्बर 2025 को आदेश जारी कर पांच सदस्यीय विशेष अन्वेषण दल रक्ष का गठन किया है।

इस टीम की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण), देहरादून जया बलूनी करेंगी। उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (UKSSSC) द्वारा आयोजित स्नातक स्तरीय प्रतियोगिता परीक्षा, 2025 में नकल की शिकायतों को देखते हुए राज्य सरकार ने इस मामले की जांच न्यायिक निगरानी में कराने का निर्णय लिया है। सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति बी.एस. वर्मा (पूर्व न्यायाधीश, उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय, नैनीताल) को इस जांच का पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है।

सचिव गृह शैलश बगोली द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि न्यायमूर्ति बी.एस. वर्मा रक्ष (विशेष अन्वेषण दल) द्वारा की जा रही जांच की बारीकी से निगरानी करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और तथ्यों पर आधारित हो। उन्हें आवश्यकता अनुसार प्रदेश के विभिन्न जिलों का दौरा कर शिकायतों व सूचनाओं का संज्ञान लेने और रक्ष को मार्गदर्शन देने का अधिकार भी प्राप्त होगा।

शासन ने 24 सितम्बर 2025 को आदेश जारी कर पांच सदस्यीय विशेष अन्वेषण दल रक्ष का गठन किया है। इस टीम की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण), देहरादून जया बलूनी करेंगी। SIT पूरे उत्तराखण्ड राज्य में फैले नकल प्रकरण की जांच करेगी। टीम को स्वतंत्र रूप से तथ्यों की पड़ताल करने और दोषियों को चिन्हित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह दल मामले की समुचित जांच करेगा और एक माह के भीतर शासन को अपनी आख्या प्रस्तुत करेगा।

अध्यक्ष समय-समय पर अन्य अधिकारियों और विशेषज्ञों का सहयोग भी ले सकते हैं। विशेष अन्वेषण दल का कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण प्रदेश होगा और यह विभिन्न स्रोतों से प्राप्त सूचना, शिकायत, तथ्य आदि का परीक्षण करेगा। इस दल द्वारा मामले की गंभीरता से जांच की जाएगी, और एक माह के भीतर इसकी रिपोर्ट शासन को सौंप दी जाएगी। शासन इस रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगा।

दिग्गज सिंगर जुबीन की मौत के केस में बड़ा मोड़, संगीतकार शेखर ज्योति गोस्वामी गिरफ्तार, मैनेजर के घर क्यों पड़ा छापा?

(जीएनएस)।

बॉलीवुड के दिग्गज सिंगर जुबीन गर्ग की रहस्यमयी मौत की जांच कर रही असम पुलिस की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (रक्ष) ने एक अहम कार्रवाई की है। अधिकारियों ने गत 25 सितंबर 2025 को संगीतकार शेखर ज्योति गोस्वामी को गिरफ्तार कर लिया है।

संगीतकार शेखर ज्योति गोस्वामी को किया गया गिरफ्तार

बताया जा रहा है कि शेखर ज्योति गोस्वामी उस ग्रुप का हिस्सा थे, जो जुबीन गर्ग के साथ सिंगापुर यॉट ट्रिप पर गया था। इसी यात्रा के दौरान जुबीन की अचानक मौत हो गई थी।

पूछताछ के बाद संगीतकार की हुई गिरफ्तारी

पुलिस सूत्रों के मुताबिक शेखर ज्योति गोस्वामी को गत 25 सितंबर 2025 (गुरुवार) सुबह पूछताछ के लिए बुलाया गया था। लंबी पूछताछ के बाद उन्हें औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि अभी तक ये साफ नहीं है कि उनके खिलाफ कौन-कौन से आरोप तय होंगे और किन धाराओं में मामला दर्ज किया जाएगा।

शेखर ज्योति गोस्वामी का जुबीन गर्ग से क्या था रिश्ता?

मीडिया रिपोर्ट्स में शेखर ज्योति गोस्वामी को जुबीन गर्ग का करीबी सहयोगी बताया जा रहा है। कुछ रिपोर्ट्स में ये दावा किया गया है कि वह जुबीन गर्ग के बैंड में ड्रम बजाते थे। हालांकि, एसआईटी ने इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं

किया है। यही वजह है कि उनके और जुबीन गर्ग के रिश्ते को लेकर अभी भी संशय बना हुआ है।

सिंगर के मैनेजर के घर पर हुई छापेमारी

इस गिरफ्तारी के बाद जांच का दायरा और भी बढ़ गया है। बताया जा रहा है कि एसआईटी, सिंगापुर-असम असोसिएशन के कुछ सदस्यों को भी पूछताछ के लिए बुला सकती है। वहीं सिंगर जुबीन गर्ग के मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा के घर में भी छापेमारी की गई थी। हालांकि, वहां से क्या बरामद हुआ या उनका इस केस में क्या रोल है, इसका खुलासा अभी तक नहीं किया गया है।

कैसे हुई थी जुबीन गर्ग की मौत?

-गत 19 सितंबर 2025 को सिंगर जुबीन गर्ग सिंगापुर में नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल में परफॉर्म करने के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान वह दोस्तों के साथ स्कूबा डाइविंग के लिए गए थे। पानी में तैराकी के दौरान उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई थी।

-ऐसे में सिंगर को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया था। अस्पताल में ट्रीटमेंट के दौरान उनकी मौत हो गई थी। इस घटना के बाद यॉट पर मौजूद सभी लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, जिसमें सिंगर के मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा का नाम भी मौजूद है।

जुबीन गर्ग के निधन की खबर से पूरे असम और संगीत जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। उनका अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ किया गया था। इस दौरान मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू और पूर्व मुख्यमंत्री सबार्नंद सोनोवाल सहित हजारों लोग उन्हें अंतिम विदाई देने पहुंचे थे।

1971 से बालाकोट तक, क्यों कहा जाता था मिग-21 को भारतीय वायुसेना की रीढ़? जानकर होगा गर्व

(जीएनएस)।

भारतीय वायुसेना का गौरवशाली और ऐतिहासिक लड़ाकू विमान मिग-21 आज आधिकारिक रूप से सेवा से विदा हो गया। देश के पहले सुपरसोनिक फाइटर और इंटरसेप्टर विमान ने 62 वर्षों तक भारत की वायुसेना की रीढ़ बनकर देश की हवाई ताकत को नई ऊंचाइयों तक पहुँचाया।

चंडीगढ़ एयरफोर्स स्टेशन पर आयोजित भव्य समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वायुसेना प्रमुख एयर

चीफ मार्शल ए.पी. सिंह, वरिष्ठ सैन्य अधिकारी, वेटरन पायलट और शहीदों के परिजन उपस्थित रहे। इस भावुक क्षण ने भारत की सैन्य विमानन इतिहास के एक सुनहरे अध्याय को समेट दिया।

शानदार विदाई समारोह

समारोह में मिग-21, जगुआर और सुर्यकिरण एरोबेटिक टीम ने शानदार फ्लाईपास्ट किया। मिग-21 ने 'बादल' और 'पैंथर' फॉर्मेशन की अगुवाई की। एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह ने भी खुद बादल फॉर्मेशन में उड़ान भरी, उनके साथ स्क्वाड्रन लीडर प्रिया शर्मा, जो देश की सातवीं महिला फाइटर पायलट हैं, अंतिम सॉर्टी का हिस्सा बनीं।

समारोह के अंत में विमानों को वॉटर कैनन सैल्यूट दिया गया। साथ ही एयर चीफ ने मिग-21 का फॉर्म 700 लॉगबुक रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को सौंपा, जो इस गौरवशाली विमान के युग के समापन का प्रतीक है।

टक्क्र 21: भारत की हवाई जीत का गवाह

मिग-21 को पहली बार 1963 में भारतीय वायुसेना में शामिल किया गया था। इसके बाद ये कई ऐतिहासिक क्षणों का गवाह रहा है। 1965 के भारत-पाक युद्ध में इसने दुश्मन के ठिकानों पर जबरदस्त हमले किए और भारत की हवाई शक्ति को मजबूती दी। 1971 के युद्ध में मिग-21 ने ढाका के गवर्नर हाउस पर बमबारी कर पाकिस्तान पर निर्णायक दबाव बनाया, जिससे युद्ध का रुख भारत के पक्ष में मोड़ने में मदद मिली।

दशकों बाद, 2019 के बालाकोट एयरस्ट्राइक के बाद जब पाकिस्तान ने पलटवार किया, तब मिग-21 ने एक बार फिर अपनी ताकत साबित की। उस समय विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान ने इसी विमान से पाकिस्तानी एफ-16 को मार गिराया और मिग-21 की आधुनिक युद्ध में प्रासंगिकता को एक बार फिर प्रमाणित किया।

हाल ही में यह विमान ऑपरेशन सिंदूर में भी सक्रिय रहा और प्रभावी मिशन अंजाम दिए। इस तरह मिग-21 ने अपने लंबे सफर में हर बार यह दिखाया कि वह सिर्फ एक लड़ाकू विमान नहीं, बल्कि भारतीय वायुसेना का गौरव और दुश्मनों के लिए हमेशा खौफ का कारण रहा है।

'सत्यमेव जयते', सेबी से क्लीन चिट मिलते ही अडानी ने दिया विकास की गति को दोगुना करने का मंत्र

(जीएनएस)।

संकट को अवसर में बदल देने वाले एक शक्तिशाली संदेश में अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने रएइक द्वारा उनके ग्रुप के खिलाफ लगे आरोपों को खारिज करने को 'शासन और पारदर्शिता' की एक 'मजबूत पुष्टि' करार दिया है।

उन्होंने शेयरधारकों से कहा है कि जिसका उद्देश्य ग्रुप को कमजोर करना था, उसने वास्तव में उसकी नींव को और अधिक मजबूत कर दिया है, और अब यह विकास की गति को दोगुना करने का समय है। ग्रुप की कंपनियों के शेयरधारकों को लिखे एक पत्र में अडानी ने 24 जनवरी 2023 के उस दिन को याद किया, जब एक अमेरिकी शॉर्ट-सेलर की रिपोर्ट ने बाजार में भूचाल ला दिया था। उन्होंने लिखा, 'यह सिर्फ. आपके अडानी ग्रुप की आलोचना नहीं थी। यह वैश्विक स्तर पर सपने देखने की भारतीय उद्यमों की हिम्मत के लिए एक सीधा

चैलेंज था।'

अडानी ने कहा कि पिछले सप्ताह रएइक द्वारा दिया गया 'जोरदार और स्पष्ट फैसला' दो साल की गहन जांच की अवधि का समापन करता है। उन्होंने जोर देकर कहा, 'रएइक के स्पष्ट और अंतिम निर्णय के साथ, सत्य की जीत हुई है या जैसा कि हमने हमेशा कहा है- 'सत्यमेव जयते।'

इस उथल-पुथल भरे समय के दौरान ग्रुप के प्रदर्शन पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने बताया कि ग्रुप का पोर्टफोलियो EBITDA (ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की आय) वित्त वर्ष 2023 के ₹57,205 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में ₹89,806 करोड़ हो गया है, जो 57 प्रतिशत की वृद्धि है। इसी अवधि में सकल संपत्ति भी ₹4.12 लाख करोड़ से बढ़कर ₹6.09 लाख करोड़ हो गई है, यानी लगभग ₹2 लाख करोड़ का इजाफा।